

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

स्वस्तिक ऑफसेट & स्क्रीन प्रिंट

उत्कृष्ट एवं कलात्मक छपाई हेतु...

पता : बल्देव बाग, राजनादागांव मो. 93004-14726

टीएमसी नेताओं को 'आतंक' का खुला लाइसेंस बांट रही ममता बनर्जी, एनआईए की टीम पर हुआ हमला तो भड़के पीएम मोदी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में जुटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। बंगाल पहुंचने से पहले उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि बंगाल के लोग तुमलू कांग्रेस की सरकार के कुशासन से थक गए हैं। अब केवल भाजपा ही पश्चिम बंगाल के लोगों को राहत दे सकती है। वहीं, अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाया।



वहीं, अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'टीएमसी चाहती है कि उसके भ्रष्टाचारी नेताओं को आतंक का खुला लाइसेंस बांट दिया जाए। मोदी की यह टिप्पणी एक दिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम पर शनिवार को भीड़ की ओर से हमले के बाद आई है। यह घटना उस वक्त हुई थी, जब पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में 2022 के विस्फोट मामले में 2 मुख्य संदिग्धों को जांच एजेंसी की ओर से गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया था।

कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में डाल रही बाधा

प्रधानमंत्री ने तुमलू कांग्रेस सरकार पर राज्य में गरीबों के लिए केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर इलाके में मनोबन्त जना और बलाई चरण मैती को गिरफ्तार करने गए हट्टू के दल पर कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया था। भूपतिनगर में दिसंबर 2022 में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी। शहर की सत्र अदालत ने दोनों आरोपियों को जमानत देने से इनकार करते हुए उन्हें 10 अग्रे तक एनआईए की हिरासत में भेज दिया।

टीएमसी से थक चुकी है सबे की जनता

बंगाल पहुंचने से पहले ही प्रधानमंत्री ने आज एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी के भ्रष्टाचार और कुशासन से थक चुकी है। केवल भाजपा ही उनके सपनों को पूरा कर सकती है।

भरे मंच पर 'सीएम नीतीश ने छुए पीएम मोदी के पैर' तेजस्वी बोले- हमें बहुत बुरा लगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिहार के नवादा में प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी वहां मौजूद थे। दोनों नेताओं के आगमन के बाद सीएम नीतीश कुमार ने लगभग 25 मिनट तक सामने खड़ी जनता को संबोधित किया। नीतीश जब अपना भाषण खत्म करके वापस अपने जगह पर बैठने आए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आपने इतना अच्छा भाषण दिया कि मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा। इस पर मुख्यमंत्री मुस्कराते हुए झुके और उनके पैर छू लिया। मुख्यमंत्री का इस तरह से सार्वजनिक मंच पर प्रधानमंत्री का पैर छूने का वीडियो अब वायरल हो रहा है। वहीं, अब इस वीडियो पर राष्ट्रीय जनता दल के विधायक और सबे के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।



प्रधानमंत्री, जो स्पष्ट रूप से नीतीश कुमार का भाषण खत्म होने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें उनसे गुप्तगुप्त करते हुए सुना गया।

हमें बहुत बुरा लगा

नीतीश कुमार द्वारा पीएम मोदी के पैर छूने को लेकर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, आज मैंने नीतीश कुमार की एक तस्वीर देखी जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छू रहे हैं। यह बहुत बुरा लगा। क्या हो गया? नीतीश कुमार हमारे अभिभावक हैं। नीतीश कुमार जितना अनुभवी कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं है और वह प्रधानमंत्री मोदी के पैर छू रहे हैं।

सीएम नीतीश ने छुआ पीएम मोदी का पैर

बता दें कि सार्वजनिक मंच पर पीएम मोदी का पैर छूने का सीएम नीतीश कुमार का यह वीडियो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। खासकर वह हिस्सा, जब सीएम पैर छूते हैं, वहीं,

मथुरा में मंदिरों में दर्शन का समय बदला, श्री बांकेबिहारी में उमड़े श्रद्धालु, दो की हालत बिगड़ी

मथुरा। गर्मी को देखते हुए मथुरा में मंदिरों के समय में दर्शन के लिए समय में बदलाव किया गया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के सभी मंदिरों के श्रद्धालुओं के दर्शन का समय में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नवसंवत्सर, 2081 यानी नौ अप्रैल की सुबह से परिवर्तन किया गया है। इसके तहत श्रीगंगुह मंदिर में प्रातः साढ़े छह बजे से रात्रि नौ बजे तक दर्शन होंगे। भागवत-भवन व अन्य सभी मंदिर में प्रातः 6.30 बजे से दोपहर एक बजे तक एवं सायं चार बजे से रात्रि नौ बजे तक दर्शन होंगे।



श्रीबांकेबिहारी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, दो की हालत बिगड़ी। बांकेबिहारी मंदिर में रविवार को तीसरे दिन भी आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। जबरदस्त भीड़ के दबाव और धक्का-मुक्का के बीच श्रद्धालुओं को मुश्किल से आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन हो सके। इस बीच दो श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। रविवार को सुबह श्री बांकेबिहारी मंदिर के पट खुलने से पहले ही विद्यापीठ चौराहा से लेकर बांकेबिहारी मंदिर तक श्रद्धालुओं की 500 मीटर लंबी कतार लग गई। मंदिर की गलियां भी खचाखच भर गईं। मंदिर के पट खुलने के बाद भी श्रद्धालु मंदिर की ओर बढ़े और दर्शन कर निकास द्वार (शेष पृष्ठ 6 पर...)

गृहमंत्री कानून तोड़ते हैं तो एफआईआर नहीं, खेद प्रकट करने के बाद महंत के खिलाफ कार्रवाई क्यों - दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने साफ किया है कि लोकसभा चुनाव 2024 में प्रदेश में भाजपा से ज्यादा सीटें जीतने में कामयाबी हासिल करेंगे। कांग्रेस की न्याय गारंटी योजना को भरपूर समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस के भीतर अंतर्कलह जैसी स्थिति नहीं है। सत्ता पक्ष के प्रलोभन की वजह से कुछ लोग पार्टी से अलग जरूर हुए हैं। बगावत या पार्टी के खिलाफ काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रमुख मुद्दा मोदी सरकार की 10 वर्ष की विफलता और कांग्रेस की न्याय गारंटी योजना होगी।



उन्होंने कहा कि लोकसभा में पिछला इतिहास कांग्रेस के लिए ठीक नहीं रहा, लेकिन हमारा दावा है कि 2024 के चुनाव में प्रदेश में हम भाजपा से ज्यादा सीटें जीतेंगे। लोकसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा मोदी सरकार की विफलता है, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी से देशभर की जनता त्रस्त है। जरूरी वस्तुओं में लगातार जीएसटी बढ़ाकर महंगाई बढ़ाई गई।

प्रधानमंत्री को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने जो कुछ भी कहा उसके लिए उन्हें खेद प्रकट किया है। इससे पहले गौर करने वाली बात यह है कि भाजपा के लोग छत्तीसगढ़ी मुद्दावर, लोकोटिक को ठीक से समझ नहीं पाए। नेता प्रतिपक्ष का उद्देश्य बिल्कुल भी गलत नहीं था। भाजपा ने गलत मतलब निकाल लिया। सरकार के दबाव में कार्रवाई की गई है, लेकिन एक ही राज्य में दो अलग तरह के कानून यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। नेता प्रतिपक्ष के आवास पर गृहमंत्री के नेतृत्व में जब भाजपाई प्रदर्शन करने पहुंचे हैं और सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता है तब पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती है। हमने इसके खिलाफ भी निर्वाचन कार्यालय में शिकायत की। सीसीटीवी में साफ दिखाई देने के बाद भी भाजपा मुंह फेर लेती है। दीपक बैज ने आगे कहा कि पार्टी कभी किसी को नहीं छोड़ती। हां, कुछ लोग गलतफर्हमियों में पार्टी जरूर छोड़ देते हैं। सत्ता पक्ष के लोगों ने पार्टी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नक्सलियों के गढ़ बस्तर में आज पीएम नरेन्द्र मोदी की आमसभा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। इसके लिए भाजपा जयों-शोरों से तैयारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की पूरी 11 सीटों पर भाजपा का ध्वज लहराने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी कल बस्तर में आमसभा को संबोधित कर प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाएंगे।



पीएम मोदी जनसभा के कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ता बस्तर में आमसभा कार्यक्रम के लिए जमकर तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी कल यानी 8 अप्रैल को सुबह 11 बजे रायपुर पहुंचेंगे। इसके बाद 11.30 बजे प्रधानमंत्री बस्तर के लिए रवाना होंगे। बस्तर नारायणपुर के आम बोल गांव में दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे।

दस साल से नहीं मिली सफलता, ब्रेक लेने में बुराई नहीं, प्रशांत किशोर की राहुल गांधी को सलाह

नई दिल्ली। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी को सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सफलता नहीं मिलती है, तो उन्हें पॉलिटेक्स छोड़ने के बारे में विचार करना चाहिए। पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में पीके ने यह बात कही। किशोर ने पिछले दस सालों की असफलताओं के बावजूद पार्टी से अलग नहीं होने और किसी अन्य को पार्टी का नेतृत्व नहीं करने देने के लिए कांग्रेस सांसद की आलोचना भी की। प्रशांत किशोर ने कहा कि मुझे



कांग्रेस को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते तो राहुल को पीछे हट जाना चाहिए

लगाता है कि यह लोकतंत्र विरोधी है। उन्होंने कहा, जब आप पिछले दस सालों से एक ही काम कर रहे हैं। आपको कोई सफलता नहीं मिल रही है तो ब्रेक लेने में कुछ

गलत नहीं है। अगले 5 वर्षों के लिए किसी और को मौका देना चाहिए। आपको मां (सोनिया गांधी) ने भी ऐसा किया था। किशोर ने कहा कि राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया ने राजनीति से दूर रहने का फैसला किया था। 1991 में पीवी नरसिम्हा राव को सत्ता सौंप दी थी।

कई नेता पार्टी में निर्णय नहीं ले सकते। उन्होंने कहा, 'दुनिया भर के नेताओं की एक प्रमुख विशेषता यह है कि वे (शेष पृष्ठ 6 पर...)

युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित कर रहा निर्वाचन आयोग, इंटरनेट मीडिया पर शुरु किए कई अभियान

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने युवा और शहरी मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए इंटरनेट मीडिया के विभिन्न मंचों पर अभियान शुरू किया है। आयोग ने लोगों से आग्रह किया है कि वे इंटरनेट मीडिया पर चुनाव से संबंधित जो भी सूचना प्राप्त करते हैं, उसे पहले सत्यापित करें और फिर उसे साझा करें। लोकसभा चुनाव के तहत पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा, जबकि एक जून को अंतिम चरण का मतदान होगा। आम चुनाव सात चरणों में हो रहा है।



चुनाव आयोग के अनुसार, वह 'टर्मिन 18' अभियान के माध्यम से युवा और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को प्रेरित कर रहा है। उनसे मतदान के लिए मतदान केंद्र पर आने का आग्रह कर रहा है। इसके अलावा 'यू आर द वन' अभियान के तहत आयोग विभिन्न हितधारकों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित न रह जाए।

इसाइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान - जीत से एक कदम दूर, तब तक कोई युद्धविराम नहीं जब तक



जेरुसलम। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल गाजा युद्ध में जीत से एक कदम दूर है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा सभी बंधकों को मुक्त नहीं कर देता, तब तक कोई संघर्ष विराम नहीं होगा। बता दें कि हमारा आतंकवादियों द्वारा इस्राइल पर हमले के बाद पर 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू हो गया था। इसके छह महीने पूरे होने के अवसर पर पीएम नेतन्याहू एक कैबिनेट बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम जीत से एक कदम दूर हैं लेकिन हमने जो कीमत चुकाई वह दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि जब तक बंधकों की वापसी नहीं होगी, तब तक कोई युद्धविराम नहीं होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस्राइल समझौते के लिए तैयार है, आत्मसमर्पण के लिए नहीं। नेतन्याहू के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा इस्राइल पर दबाव बनाया जा रहा है जबकि यह दबाव हमारा हित खिलाफ बनाया जाना चाहिए। इससे बंधकों की रिहाई हो सकेगी। इस्राइल के वेन गुरियन हवाई अड्डे के में इस्राइल-हमारा युद्ध के बंधकों को तस्वीरें लगाई गई हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

केन्द्रीय विद्यालय ने कक्षाओं में सीटें घटाई

अभिभावक हो रहे परेशान, पहले हर कक्षा में 40 सीट थीं, अब 32 कर दीं

रायपुर। केन्द्रीय विद्यालय (केवी) ने हर कक्षाओं में 8-8 सीटें कम कर दी हैं। केवी की ओर से जारी एडमिशन नोटिफिकेशन में 32 सीटों के लिए ही आवेदन मांगे गए हैं। अभी तक प्राइमरी से हायर सेकेंडरी तक हर क्लास में 40-40 सीटें हुआ करती थीं। सभी कक्षाओं में सीटें घटाने के बाद विद्यालय प्रशासन लाचार हो गया है। प्रवेश पंजीकरण करने के लिए आवेदन करने वालों की भीड़ लगी हुई है। वहीं बच्चों की ट्रांसफर पॉलिसी में भी बदलाव किया है। प्राइवेट सेक्टर की नौकरी कर रहे पैरेंट्स का राज्य के बाहर ट्रांसफर होने पर बच्चों को दूसरे राज्य के स्कूल में ट्रांसफर नहीं मिलेगा। केन्द्रीय विद्यालयों में हर साल बड़ी संख्या में आवेदन आते हैं। ऐसे में सीटें घटाने से छात्रों और पैरेंट्स दोनों को मुश्किल हो रही है। जानकारों का कहना है कि केवी में अधिक संख्या में विद्यार्थी होने से उन पर पूरे रूप से ध्यान दे पाना संभव नहीं होता है और उनकी



क्षमता घट जाती है। इस कारण सीट में कटौती संबंधित यह निर्णय किया गया है। हालांकि छात्र और परिजन में इसे लेकर निराश है। वहीं अध्यापकों की मानें तो 32 सीट से कम की कोई कक्षा ही नहीं बनती है। ऐसे में 32 सीट रखना प्रबंधन की मजबूरी है। कर्नाटक में 52 केन्द्रीय विद्यालय हैं, लेकिन सीटें घटाने से प्रवेश की प्रक्रिया ही पूरी हो पाएगी। प्रथम व द्वितीय कक्षा को छोड़कर अन्य कक्षाओं में प्रवेश करना दूर की कौड़ी नजर आता है। इसके चलते बहुत कम कक्षाओं में एब बच्चों को

प्रवेश मिल पाएगा। अकेले में बंगलूरु में 16 केन्द्रीय विद्यालय हैं। सभी में कमोवेश सीटें या फुल हैं या फिर इक्का-दुक्का सीट ही है।

ट्रांसफर पॉलिसी का लाभ केवल सरकारी नौकरी वालों को

केन्द्रीय विद्यालयों में सरकारी नौकरी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों के बच्चों को एडमिशन दिया जाता है। अगर पैरेंट्स का कहीं और परिजन में इसे लेकर निराश है। वहीं अध्यापकों की मानें तो 32 सीट से कम की कोई कक्षा ही नहीं बनती है। ऐसे में 32 सीट रखना प्रबंधन की मजबूरी है। कर्नाटक में 52 केन्द्रीय विद्यालय हैं, लेकिन सीटें घटाने से प्रवेश की प्रक्रिया ही पूरी हो पाएगी। प्रथम व द्वितीय कक्षा को छोड़कर अन्य कक्षाओं में प्रवेश करना दूर की कौड़ी नजर आता है। इसके चलते बहुत कम कक्षाओं में एब बच्चों को

जबलपुर में पीएम मोदी के रोड शो के दौरान हादसा, मंच टूटने से महिलाओं और बच्चों समेत 10 से ज्यादा घायल

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में पीएम मोदी के रोड शो के दौरान हादसा हो गया है। दरअसल मंच टूटने की वजह से 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों में पत्रकार, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में सभी पार्टियों ने कमर कस ली है और वह चुनाव प्रचार में उतर गई हैं। पीएम मोदी ने रविवार को जबलपुर में रोड शो किया। इस रोड शो को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोगों की भारी भीड़ के बीच मंच टूटने से कई लोग घायल हो गए। हालांकि किसी को गंभीर चोट आने की जानकारी नहीं मिली है। कहा जा रहा है कि पीएम की एक झलक पाने के लिए जरूरत से ज्यादा लोग मंच के ऊपर चढ़ गए थे, जिसकी वजह से ये हादसा हुआ। पुलिस के समझाने पर भी लोग नहीं मान रहे थे। पीएम मोदी ने जबलपुर में किए गए रोड शो



हमने यहां हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इससे जबलपुर के विकास को नए पंख लगे हैं। पीएम ने कहा कि जबलपुर में मेरे परिवारजनों ने कांग्रेस की जन-चिरोधी राजनीति को काफी लंबे समय तक देखा है। वे बीजेपी का हमेशा समर्थन करते रहे हैं। हमारी पार्टी ने भी संसद में जबलपुर के चौरफा विकास की सदैव बात की

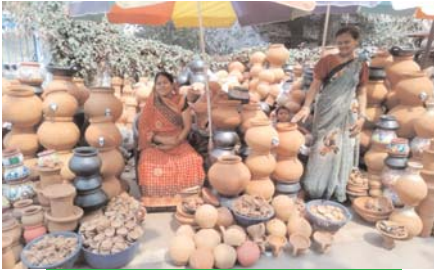
पीएम को देखने के लिए उमड़ा जनसैलाब

की तस्वीरें भी अपने एक्स हैंडल पर साझा कीं। उन्होंने कहा, आज जबलपुर में रोड शो बेहद शानदार रहा! यहां के मेरे परिवारजनों का जोश और जुनून ये बता रहा है कि हमें तीसरे कार्यकाल का आशीर्वाद मिलने का रहा है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सड़कों के साथ-साथ

है। हम आने वाले समय में भी इस पूरे क्षेत्र के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। पीएम ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में भी हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जबलपुर का विकास पूरी स्पीड और स्केल के साथ हो। हम शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर और टूरिज्म जैसे सेक्टर को सर्वोच्च प्राथमिकता देते रहेंगे, ताकि इस क्षेत्र की इकोनॉमी में और सुधार आए। हमारा हर प्रयास जबलपुर के लोगों के जीवन को और आसान बनाने के लिए होगा।

नवरात्रि पर्व व वैवाहिक सीजन को लेकर मिट्टी के बर्तनों का बाजार सजा

राजनांदगांव (दावा)। हिन्दुओं के नव संवत्सर लगने के साथ ही चैत्र नवरात्रि का पर्व व शादी-विवाह का सीजन प्रारंभ हो जाएगा। हिंदू नववर्ष विक्रम संवत् 2081 चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 9 अप्रैल मंगलवार से लगने जा रहा है। शहर के मंदिरों व जिले भर के शक्ति स्थलों में नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी तरह नवरात्रि पर्व के दौरान देव मुहूर्त होने के कारण वैवाहिक आयोजनों की भी तैयारी की जा रही है। इसके चलते बाजार में खरीदारी बढ़ गई है। लोग जहां शादी-विवाह में उपयोग में आने वाले मिट्टी के बर्तन करसा-कलारी, छोटे-छोटे मटके, छेद वाले कलसे, छोटे दीप आदि की खरीदी कर रहे हैं वहीं नवरात्रि पूजा में उपयोग में आने वाले मिट्टी के बने ज्योति-जवांरा कलश, खप्पर, नांदी आदि की खरीदारी हो रही है। इसी तरह गर्मी के सीजन को देखते हुए प्यासे घरों को तरह करने के लिए मिट्टी के थड़े भी बड़ी मात्रा में खरीदी जा रहे हैं।



ज्योति-जवांरा कलश, खप्पर व मिट्टी के थड़े मटकों की मांग बढ़ी

जयस्तंभ चौक रोड में दुकान लगाई रमशीला बाई ने बताया कि उनके यहां ज्यादातर मिट्टी के बर्तन डोंगरगांव क्षेत्र में आते हैं। वहीं शहर के आसपास के गांव भरगांव, सिंगई मोहारा आदि से भी माल मंगवाए जाते हैं। महवीर चौक समीप मिट्टी के बर्तनों के दुकान लगाए मनोहर ने बताया कि गर्मी बढ़ रही थी तो मटकों की मांग बढ़ गई थी। अब सामने नवरात्रि पर्व व शादी-विवाह के सीजन होने से कलशा-कलारी छोटे मटके व थड़े सहित ज्योति जवांरा कलश व खप्पर नांदी आदि की मांग बढ़ गई है। ज्योति-जवांरा के कलश 75 से 100 रुपये में प्रति

नग बेचे जा रहे हैं वहीं खप्पर को 150 रुपये नग में दिया जा रहा है। इसी तरह वैवाहिक आयोजनों सहित गर्मी के दिनों में ठंडा पानी के लिए उपयोग में आने वाले मिट्टी के थड़े थड़े 150 रुपये से लेकर 200 रुपये तक बेचे जा रहे हैं। छोटे मटके व थड़े 60 रुपये 75 रुपये से लेकर 100, 125 रुपये तक में बेचा जा रहा है।

बाजार हुआ गुलजार

फिलहाल बाजार में मिट्टी के थड़ों से लेकर मिट्टी से बने अन्य बर्तनों की अच्छी मांग बनी होने से मिट्टी के बर्तन बेचने वाले व्यवसायियों के चेहरे खिले हुए हैं।

इधर नवरात्रि व शादी विवाह का सीजन लगने के चलते पूजा सामानों से लेकर मिट्टी से बने बर्तनों व अन्य सामानों की मांग में इजाफा देखा जा रहा है। शादी विवाह वाले वैवाहिक घरों सहित नवरात्रि पूजन के लिए मंदिरों की साफ-सफाई व रंग रोगन के अलावा आकर्षक साथ सजा में लोग जुट गए हैं। वहीं ज्योति प्रज्वलन के लिए ज्योति कक्ष की भी साफ-सफाई व अन्य तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। बहरहाल नवरात्रि पर्व व वैवाहिक सीजन के चलते मिट्टी के बने बर्तनों सहित बाजार में कपड़े लते से लेकर ज्वेलरी, बर्तन, आलमारी, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक आइटम व अन्य चीजों की खरीदारी के लिए लोगों की चहल-पहल बढ़ गई है। ग्राहकों का रेला होने के कारण बाजार गुलजार बना हुआ है।

घुमका पुलिस ने आदतन शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। थाना घुमका पुलिस ने एक अप्रैल को अपने थाना क्षेत्र से आदतन शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि आरोपी शराब तस्कर ग्राम बाटावां से अवैध बिक्री के दौरान शराब तस्कर गये करीब 60 लीटर शराब के परिवहन के मामले में सल्लिम था तथा आरोपी के विरुद्ध शराब तस्कर एवं बिक्री के मामले में जिले के कई थानों में अपराध दर्ज हैं। उक्त आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मोटर साईकल एवं 48 पौवा देशी प्लेन मंदिरा शराब 8.640 लीटर कीमती 4500 रुपये तक की गई है। थाना घुमका पुलिस एवं सायबर सेल की संयुक्त कार्यवाही गिरफ्तार हुए आरोपी का नाम कुंदन चौधरी पिता यशवंत चौधरी उम्र 20 साल निवासी राजीव नगर वाई नंबर 42 थाना बसंतपुर बताया जाता है। बता दें कि जिले में आगामी लोकसभा चुनाव एवं लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर अवैध शराब परिवहन एवं बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में पुलिस

अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, अनुविभागीय पुलिस अधीक्षक डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया के मार्गदर्शन में घुमका पुलिस एवं सायबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम के द्वारा बाटावां निवासी आरोपी मनमोहन गेंद्रे के कब्जे से जमीन में गाड़कर रखे करीब 60 लीटर गोवा स्पेशल डिस्ट्रिक्ट शराब को जब कर आरोपी मनमोहन के साथ-साथ उक्त बरामद शराब के परिवहन में सल्लिम व्यक्ति कुंदन चौधरी के विरुद्ध नामजद एफआईआर क्रमांक 51/24 धारा 34(2) आवककारी अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी कुंदन चौधरी फरार चल रहा था जिसे सायबर सेल राजनांदगांव की मदद से थाना घुमका पुलिस द्वारा विचार 07 अप्रैल को आरोपी कुंदन चौधरी को गिरफ्तार कर रिमांड हेतु न्यायालय पेश किया गया है साथ ही प्रकरण में शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटर साईकल के अलावा आरोपी के कब्जे से 48 पौवा देशी प्लेन शराब को जब्त किया गया है।

राजनांदगांव निवासी हैं शराब तस्कर को आरोपी

पहला कॉलम... चुनाव संबंधित शासकीय कार्यों के लिए भाजपा से अरुण शुक्ला व विजय सिन्हा अधिकृत

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा के प्रत्याशी संतोष पांडे के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव संबंधित समस्त शासकीय कार्यों के संपादन के लिए पार्टी की ओर से दो कार्यकर्ताओं को कार्यभार सौंपा गया है। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शासकीय कार्यों के सुचारु रूप से संचालन के लिए भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता जिला भाजपा के सह कार्यालय प्रभारी अरुण शुक्ला को प्रभारी व उनके सहयोगी विजय सिन्हा को दायित्व दिया गया है। ये पार्टी के अनुमति एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए अधिकृत किए गए हैं। उल्लेखनीय है, कि शुक्ला इन कार्यों को पिकने कई चुनाव से कार्यरत रहें हैं उनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा।

संविधान को लेकर कांग्रेस भाजपा के विरुद्ध जनता में भ्रम फैला रही - आशीष डोंगरे

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री आशीष डोंगरे ने कहा कि कांग्रेस मतदाताओं में संविधान को लेकर भाजपा के विरुद्ध भ्रम फैला रही है। श्री डोंगरे ने स्पष्ट करते हुए कहा कि 18 वीं लोकसभा के लिए होने जा रहे चुनाव में कांग्रेस जीत के लिए नहीं बल्कि अपना अस्तित्व बचाने के लिए लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केंद्र भाजपा सरकार द्वारा अपने 10 साल के कार्यकाल में अनेक असंभव से असंभव लगने वाले कार्यों को कर दिखाया है। जिससे देश की जनता न सिर्फ खुश है। बल्कि देश में राजनीतिक स्थायित्व भी चाहती है। जनता चाहती है। कि श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार काफी लंबे समय तक चलती रहे और हमारा देश पूर्ण रूप से विकसित होकर विश्व में सरताज बने। श्री डोंगरे ने आगे कहा कि भाजपा भी चाहती है। कि संविधान के मुताबिक हमारा देश पहले से अधिक स्वस्थ लोकतंत्र बनकर विश्व के अन्य देश के लिए प्रेरणा स्रोत बने। लेकिन देश सहित विदेशों में भी भाजपा के नेतृत्व में भारत की बढ़ती लोकप्रियता से तिलमिलाई कांग्रेस लोकसभा चुनाव में प्रचार के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। जनता को यह बता रही है। कि 543 सीट में से 400 सीट से ज्यादा मांग कर भाजपा संविधान को बदल देना चाहती है।

जय नारायण वर्मा का निधन

राजनांदगांव (दावा)। शहर के सोनार पारा निवासी जय नारायण वर्मा उम्र 65 वर्ष बेहतर वाले का रविवार 7 अप्रैल को आकस्मिक निधन हो गया। वे नवप्रदेश अखबार के फोटोग्राफर श्रेयश व सौरभ के पिता थे। वे अपनी पीछे भरापुर परिवार छोड़ गए। उनकी अंतिम यात्रा निज निवास से आज 8 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे मुक्तिधाम लखौली के लिए निकाली जाएगी।

महाविद्यालय में हुआ निःशुल्क सिकलसेल परीक्षण शिविर

राजनांदगांव (दावा)। हाल हाल ही में सरकार ने 2023-24 के बजट में 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को खत्म करने की एक मिशन की घोषणा की है। इसी मिशन में कॉम्प्लूट्स कॉलेज ने भी अपनी भागीदारी पेश करते हुए महाविद्यालय में एकदिवसीय निःशुल्क सिकल सेल परीक्षण का आयोजन किया। इस शिविर को गोद ग्राम परीकला में भी लगाया गया जिसका लाभ गांव के लोगों भी मिला जिसमें 0 से 40 वर्ष तक के लोग शामिल थे। इस शिविर के माध्यम से लगभग 150 लोगों ने सिकल सेल का जांच कराया जिसमें छोटे बच्चे, विद्यार्थी, महिलाएं और शिक्षकगण शामिल रहे। यूथ रेड क्रॉस प्रभारी धनंजय साहू ने बताया कि सिकल



कारण व्यक्ति में हिमोग्लोबिन की कमी हो जाती है और शारीरिक विकास रुक जाती है जिससे शरीर कमजोर हो जाती है। महाविद्यालय के संचालक संजय अग्रवाल, आशीष अग्रवाल और डॉ मनीष जैन ने संयुक्त रूप से कहा कि यह कदम भारत को सिकल सेल रोग मुक्त भारत की ओर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि इसे एक आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि हमारे लिए सिकल सेल एक बड़ी चुनौती है। हमें जमीनी स्तर पर आंदोलन कर, लोगों की गलत धारणाओं को दूर करके उनके साथ मिलकर सभी को इस संक्रमण को रोकना होगा और साथ ही साथ आने वाली पीढ़ियों को भी सुरक्षित करना होगा।

भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वोपरि हैं - भरत वर्मा

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा के उम्मीदवार संतोष पांडे का चुनाव प्रचार अभियान दिन प्रतिदिन जोर पकड़ता जा रहा है। संसदीय क्षेत्र के सभी मंडलों में पार्टी का स्थापना दिवस जोशीले माहौल में मनाया गया, इसी क्रम में लालबहादुर नगर में भाजपा के लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन हुआ और स्थापना दिवस भी उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता देश के लिए जीते हैं, हमारी पार्टी के विचारों व सिद्धांतों में राष्ट्र सर्वोपरि रहें हैं। हमारे अनेक कार्यकर्ताओं ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी है। श्री वर्मा ने पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि आज यदि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है तो यह मुखर्जी के बलिदान के परिणाम स्वरूप है। अन्यथा कांग्रेस ने अपनी कुर्बानी के तहत देश का बटवारा किया, लाखों लोगों को मौत के घाट उतरवाया, तीन बीघा जमीन बंगलादेश को दिया उसी तरह से कश्मीर भी पाकिस्तान के हिस्से में चल जाता किन्तु समय रहते पंडित मुखर्जी ने एक देश में दो निशान, दो विधान



ने आगे कहा कि राष्ट्रवाद की अलख जगाते पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता बंगाल, केरल सहित अनेक राज्यों में अपनी आहुतियां देते आ रहे हैं अपने छत्तीसगढ़ राज्य में भी भाजपा कार्यकर्ता नक्सलियों की बंदूक के निशाने पर हैं। बस्तर क्षेत्र में अनेक कार्यकर्ताओं को गोलियों से भून दिया गया, यह क्रम अभी भी जारी है किन्तु इससे ना भाजपा डरेगी, ना पीछे हटेगी। हम राष्ट्र को विकास के उस सोपान तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित हैं जहां से हमे पूरी दुनिया विश्वगुरु के रूप में देखेगी। इस दौरान प्रमुख रूप से लोकसभा सह समन्वयक खूबचंद पारख, खेदुराम साहू, दिनेश गांधी, चंद्रिका प्रसाद डडसेना, कोमल सिंह राजपूत, मूलचंद लोधी, बोधीराम साहू, रामाधीन देवांगन, गिरवर साहू, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, देवेन्द्र साहू, वेदराम ताम्रकार, किरण साहू, वर्षा गेडम, चंक्रुमार देवांगन, तामिश्वर साहू, राजकुमार उज्ज्वर, देवेन्द्र साहू, भोज वर्मा, देवेन्द्र यादव, अशोक वर्मा, घनश्याम वैष्णव, राजकुमार ताम्रकार, अवध साहू, मुकेश साहू, संदीप सिन्हा सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग अभियान में 61 प्रकरणों में 21700 रुपये वसूला जुर्माना

आचार संहिता के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सघनता व सतर्कता के साथ चेकिंग करने हेतु दिया गया था दिशा निर्देश



राजनांदगांव (दावा)। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे वाहनों के चेकिंग अभियान के तहत शनिवार को 61 प्रकरणों में वाहन चालकों से 21700 रुपये जुर्माना वसूला गया। बताया दें कि इस संबंध में थाना बाटावां पुलिस द्वारा 5 अप्रैल को आने जाने वाले संचिक, वाहन, वस्तु व्यक्ति की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के कुल 61 प्रकरण में 21700 रुपये समस्त शुल्क कर उनके विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही कर यातायात नियमों का पालन करने हेतु लोगों को जागरूक भी किया गया। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

सुरगी में धूमधाम से मनाई गई माता कर्मा जयंती

संगठित समाज ही तरक्की करता है - जीवन लाल साहू
सामाजिक प्रतिष्ठ मूर्ति के बारे में जानकारी होने से लोग गौरवाचित होते हैं - ओमप्रकाश साहू

राजनांदगांव (दावा)। आदर्श गांव सुरगी में साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी संतमाता कर्मा की 1008 वीं जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। मंडल साहू संघ मुड़पार के कार्यालय मां कर्मा सामुदायिक भवन सुरगी में सर्वप्रथम संतमाता कर्मा की पूजा अर्चना की गई। समेत स्वर में मां कर्मा की आरती गायन किया गया। लोगों ने एक दूसरे को कर्मा जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभा को संबोधित करते हुए मंडल साहू संघ मुड़पार के अध्यक्ष जीवन लाल साहू ने कहा कि संतमता बड़ी शक्ति होती है। संगठित समाज ही तरक्की कर पाता है और विभिन्न बाधाओं पर विजय हासिल हो पाती है। समय के अनुसार कई प्रकार की परंपरा को छोड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश साहू संघ ने निर्णय लिया है कि कोई भी विधवा मां को अपने बेटे की शादी में मौर सौंपने से नहीं रोकना है। कोई भी महिला के विधवा होने पर उसकी बुढ़िया को तालाब में न फोड़ कर सम्मानपूर्वक घर में ही उतरवाना



है। उन्होंने कहा कि अपनी जाति और धर्म पर गर्व करें। कुछ परेशानी और स्वार्थ में धर्म परिवर्तन न करें। इस अवसर पर जिला साहू संघ के साहित्य प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ओमप्रकाश साहू अंकुश ने कहा कि वही समाज के लोग आगे बढ़ पाते हैं जिस समाज के लोग अपने महापुरुषों के प्रति विस्तार से जानते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलते हैं। उनकी जयंती पर समारोह आयोजित करना और पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करना हम सबका परम कर्तव्य बनता है। अपने समाज के गौरवशाली इतिहास व सामाजिक प्रतिष्ठ मूर्ति की जानकारी होने पर हमें गर्व होना चाहिए। हमें संतमाता कर्मा के साथ ही दानवीर भामाशाह, भक्ति माता राजिम, मां भानेश्वरी और अन्य महापुरुषों की जीवितियों से परिचित होना चाहिए। इससे हमें समाज को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। समाज के लिए यथासंभव समय दान, अर्थ दान करने के साथ ही विभिन्न रचनात्मकता कार्यों को बढ़ावा देने में योगदान देना चाहिए तभी समाज उन्नति की ओर अग्रसर होता है। सभा को संबोधित करते हुए मंडल साहू संघ मुड़पार के सचिव हेमंत कुमार साहू ने लोगों में अपने

समाज के प्रति जागरूकता होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्मा के पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से समाज द्वारा थाली और अन्य बर्तन की व्यवस्था की गई है जिसे आप लोग अल्प राशि देकर उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कर्मा जयंती समारोह को सफल बनाने हेतु सभी पार प्रमुखों के साथ ही सभी स्वजातीय बंधुओं और माताओं, बहनों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जीवन लाल साहू मंडल अध्यक्ष, ओमप्रकाश साहू अंकुश के अलावा हेमंत साहू मंडल सचिव, मुल्लू साहू, सुकृत दास साहू, टहल राम साहू, कामला साहू, नरोत्तम साहू, रैन सिंह दीपक, बेनी राम साहू, हेमनाथ साहू, प्रधुमन साहू, खोबाहरा राम साहू, खेमू राम साहू, श्रीमती साहिब साहू, डॉ एस कुमार साहू, डोहर दास साहू, जीवनलाल साहू, कमलेश साहू, पुरुषोत्तम साहू, घनश्याम साहू, इतवाराम साहू, नाथुराम साहू, श्रीमती प्रमिला साहू, बंकट राम साहू, धनीराम साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित थे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षण लखौली, तहसील जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)
सीमांकन सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलवार राजनांदगांव के ज्ञान क्रमांक /201/ प्रवा/नह/2024 पंचनामांश दिनांक 27/02/2024 के अनुसार आवेक अहमद रजा पि. रियाज अहमद निवासी जुनी हटरी, तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नं. 391/16, 392/3, 392/1, 392/14, 392/15 रुकबा क्रमशः 0.040, 0.093, 0.076, 0.097, 0.101 हे भूमि का सीमांकन कार्य गठित दल द्वारा दिनांक 10/04/2024 दिन बुधवार समय 12.00 बजे से किया जाना है। अतः आवेक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकार अपने-अपने भूमि स्वत्व संबंधी दस्तावेज सहित मांके पर उपस्थित हों।
जारी दिनांक - 04/04/2024
राजस्व निरीक्षण रा.नि.मं. लखौली

श्री कृष्णा (एयरकुल) में
रोजाना 4 खेल
समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कीनी की एडवेंस बुकिंग प्रारंभ है।
मां कर्मा जयंती के शुभअवसर पर पापकर्म फिल्मस् की प्रस्तुति
मेरी मां कर्मा
(छत्तीसगढ़ी भाषा में)
कलाकार - अंकितादास मानिकपुरी, कुकी स्वप्न, अरुका अमीन, सानंद चर्चा, इतिहासक खान, मुक्ति राखर, भवभान विहारी आदि
ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

SILVER SCREEN MULTIPLEX
05th To 11th April 2024
Crew - 03:00, 06:30 & 09:00 pm
Godzilla x Kong The New Empire - 12:30, 03:30 & 09:30 pm
Shaitaan - 12:00 and 06:00 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G.) 8085600200

अनमोल दावा

कोई भी काम तक तक ही असंभव लगता है जब तक की उसको किया नहीं जाता ।

सम्पादकीय

जमीनी हालात एनडीए के अनुकूल नहीं

लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के इतना कुछ करने के बावजूद बिहार में अब भी उम्मीद है। जमीनी हालात एनडीए के अनुकूल नहीं दिख रहे हैं। नरेंद्र मोदी की लहर या अयोध्या की राम लहर का ज्यादा असर नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि मतदाता किसी लहर से प्रभावित होकर या भावनात्मक मुद्दे के असर में वोट डालने की मंशा नहीं जाहिर कर रहे हैं।

ध्यान रहे पिछली बार के चुनाव में राज्य की 40 में से 39 सीटें एनडीए को मिली थीं। भाजपा 17 सीटों पर लड़ी थी और सभी सीटों पर जीती थी। एक सीट सिर्फ नीतीश की पार्टी हारी थी। रामविलास पासवान की पार्टी भी अपने कोटे की छह सीटों पर जीत गई थी। इस बार हर कोई मान रहा है कि सीटें कम होंगी। जनता दल यू को ज्यादा नुकसान की संभावना जताई जा रही है। इसका कारण यह भी है कि इस बार भाजपा को रोकने के विपक्षी अभियान की शुरुआत बिहार से ही हुई थी।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ विपक्षी गठबंधन बनाने के जब प्रयास शुरू हुए तो सबसे पहले बिहार के ही नेताओं ने कहा था कि अगर 50 सीटें कम कर दी जाएं तो मोदी सरकार बहुमत गंवा देगी। तब नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने और उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा था कि यह तो नंबर का खेल है और इस बार विपक्ष मोदी के नंबरस कम कर देगा। उसके बाद ही आंकड़ों के खेल शुरू हुआ कि कहां से कितनी सीटें कम हो सकती हैं। नंबरस के इस खेल में बिहार हमेशा अहम रहा। बिहार के अलावा बड़े राज्यों में कर्नाटक और महाराष्ट्र में भाजपा के नंबरस कम होने की संभावना तभी से देखी जा रही है।

भाजपा और नरेंद्र मोदी को हरा कर सत्ता से बाहर कर देने के बक्स यह एक दूसरा नैरेटिव था कि उसकी 40-50 सीटें कम कर दी जाएं। यह नैरेटिव बनने के बाद मोदी को समझ में आया कि ऐसा हो सकता है। तभी सबसे पहले यह सिद्धांत प्रतिपादित करने वाले नीतीश कुमार को तोड़ने का प्रयास शुरू हुआ।

उनकी पार्टी के नेताओं पर दबाव डाल कर या करीबी कारोबारियों पर कार्रवाई के जरिए भाजपा कामयाब हो गई। उसने नीतीश को फिर से गठबंधन में शामिल कर लिया। लेकिन इस बार नीतीश के पाला बदलने का बहुत सकारात्मक असर नहीं दिखा। लोगों में नाराजगी दिखा। भाजपा के अपने कांडर में भी नीतीश को लेकर दूरी का भाव है। तभी एनडीए में तालमेल पहले जैसा नहीं है।

भाजपा बनाम जदयू और जदयू बनाम लोजपा की लड़ाई में कई सीटों पर भितरघात है। कहीं भाजपा के सर्वगण मतदाता नीतीश के उम्मीदवारों को हराने का दम भर रहे हैं तो कहीं जदयू के कोर मतदाता इस बार चिराग पासवान से 2020 के विधानसभा चुनाव का बदला निकालना चाहते हैं तो कहीं चिराग के मतदाता नीतीश के उम्मीदवारों को हराने का संकल्प जाहिर कर रहे हैं।

असल में 2019 में चिराग पासवान ने भाजपा का समर्थन किया था और नीतीश के हर उम्मीदवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा था, जिससे नीतीश की पार्टी सिर्फ 43 सीट जीत पाई थी। बाद में नीतीश ने चिराग की पार्टी में विभाजन करा दिया था। सो, दोनों पार्टियों को कोर समर्थक एक दूसरे के खिलाफ टैंड लिये हुए हैं।

इस बार नीतीश जब से भाजपा के साथ लौटे हैं, तब से भाजपा के इकोसिस्टम से ही उनके ऊपर सबसे ज्यादा हमले हुए हैं। बिहार के लोग यह भी देख रहे हैं कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी पगड़ी नहीं खोली है। उन्होंने यह पगड़ी इस संकल्प के साथ बांधी थी कि नीतीश को सत्ता से हटा कर ही इसे खोलेंगे। इससे भी भाजपा और जदयू दोनों के समर्थकों में कंप्यूजन है।

विपक्ष की एकता और राहुल की विश्वसनीयता

शकील अख्तर

यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि वह अपने सबसे विश्वसनीय, साहसी, अथकपरिश्रम करने वाले राहुल गांधी को वह साथ नहीं देती है जो उसे देना चाहिए। कांग्रेसियों को यह समझना चाहिए कि विपक्ष राहुल की विश्वसनीयता को वजह से ही एक गठबंधन में आने के लिए राजी हुआ। विपक्ष की एकता और राहुल की विश्वसनीयता इस चुनाव में सबसे बड़ी ताकत है। मोदी और टैट्रिक के बीच बड़ी दीवार!

यह चुनाव कांग्रेस हारे या जीते राहुल गांधी एक मजबूत नेता के तौर पर स्थापित हो गए हैं। अब यह सवाल खत्म हो गया कि राहुल राजनीति में रहेंगे या नहीं। उन्हें रहना चाहिए या नहीं राहुल एक स्वाभाविक नेता की तरह पूरी ताकत से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हीं की मेहनत, हिम्मत, घुटने के असहनीय दर्द के बाद भी दो-दो भारतीयों ने ही विपक्ष को जोड़ा। ममता बनर्जी जो बार बार छिटक रही थी, बंगाल में कांग्रेस को सीट देने से इनकार कर दिया वे भी दिल्ली की रामलीला मैदान की रैली में अपनी पार्टी के नेताओं को पहुंचाती हैं और कहती हैं कि मैं इन्डिया गठबंधन के साथ हूँ।

यह सब किस की वजह से राहुल के बन गए प्रभावशाली वजह से। कोई माने या न माने आज की तारीख में राहुल भारतीय राजनीति के ऐसे चेहरे बन गए हैं जिनके इर्द गिर्द पूरा चुनाव होने वाला है। भाजपा ने हजारों करोड़ रूपया राहुल की छवि खराब करने के लिए ऐसे ही नहीं लगाया! उन्हें राजनीति की समझ है। आज भी प्रधानमंत्री मोदी अगर बार बार वंशवाद की बात करते हैं तो ऐसे ही नहीं करते। वे जानते हैं कि राहुल गांधी ही एकमात्र ऐसे विरोधी नेता हैं जिनकी वजह से कांग्रेस एक बनी हुई है और जो विपक्ष को भी खींच कर एकजुट कर सकते हैं। और भाजपा, मोदी का आकलन सही निकला भी।

अब विपक्षी एकता बन गई है। कल तक किसी को यकीन नहीं था। आज भी विश्वास नहीं होता था। मगर यह सच है। और दिल्ली के रामलीला मैदान की मीटिंग के बाद लगातार ही विपक्ष मोदी के सामने

दीवार बनकर खड़ा हो गया।

यह मजबूत दीवार राहुल ने ही बनाई है। और इसे भेदना इस बार नरेंद्र मोदी के लिए मुश्किल हो रहा है। इसलिए मोदी बार बार अपने मुद्दे बदल रहे हैं। उनके पुराने हिन्दू मुसलमान और उरु राष्ट्रवाद के मुद्दे

इस बार बिल्कुल नहीं चल रहे। इसलिए वे कभी भ्रष्टाचार और कभी पांच साल, दस साल बीस साल बादक्या करूंगा, जैसी हवा-हवाई बातें कर रहे हैं। जबकि जनता इस समय राहुल के रोजगार, मंहगाई और लोकतंत्र बचाओ के मुद्दों को सुन रही है।

यह ऐसे ही नहीं हुआ। राहुल ने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। बहुत आलोचनासही है। कई बार उन्हें बुरी तरह खारिज कर दिया गया। मगर जैसे आग में तपकर सोना कुंदन हो जाता है वैसे ही राहुल हो गए। बीस साल कम नहीं होते। उनकी हर तरह की परिश्रम ली गई। और यह काम तो खुद कांग्रेसियों ने किया। राहुल का विरोध उनके रास्ते में बाधाएं खड़ीकरना उनके खिलाफ अफवाहें फैलाकर उनका चरित्रहानन करना जितना भाजपा और संघपरिवार ने किया उससे कम कांग्रेसियों ने नहीं किया। आखिर 2019 में राहुलको कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना ही पड़ा था। और उस पर भी कांग्रेसियों को चैन नहीं आया तो जी 23 के नाम से एक गिरोह बनाकर उन्हें कांग्रेस से ही बाहर करने का षडयंत्र रचा था।

भाजपा करे। मोदी जी करें तो समझ में आता है। उन्हें लगाता है कि जब तक राहुल या गांधी नेहरू परिवार का कोई सदस्य कांग्रेस में है कांग्रेस खतम नहीं होगी। लेकिन अगर गांधी नेहरू परिवार से हट जाए या राजनीति से हट जाए तो कांग्रेस को वे गाजर मूली की तरह उखाड़ फेंकेंगे। उनको यह लगना सही भी है। परिवार का कोई

सदस्य कांग्रेस में न रहने पर कांग्रेस कितने टुकड़े हो जाएगी कहना मुश्किल है। और केवल कांग्रेस ही खत्म नहीं होगी विपक्ष की राजनीति भी छिन्न भिन्न हो जाएगी। देश में कोई दूसरा राष्ट्रीय दल नहीं होगा। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी का अकेला साम्राज्य होगा।

और मोदी जी चक्रवर्ती सम्राट! लम्बता है कांग्रेस को इसमें ज्यादा आपत्ति नहीं होगी।

विपक्ष के दूसरे दलों को भी नहीं उन्हें अपने विस्तार की संभावनाएं दिखाई देंगी।

थोड़ी भाजपा नेताओं को होगी क्योंकि मोदी को कोई चुनौती न होने के बाद उनका अस्तित्व और कमजोर हो जाएगा। अभी तक तो मोदी भाजपा का कोई नेता अपना कोई सम्मान या महत्व नहीं रखता है। और जब मोदी जी के लिए कोई चुनौती ही नहीं बचेगी तो फिर भाजपा नेता बिल्कुल ही महत्वहीन हो जाएंगे।

किसी के बदल भी कोई भी बिठया जा सकता है। आज राजनाथ सिंह और गडकरी को टिकट मिल गया लेकिन जैसा कि एक आकलन हम बता रहे हैं उसके बाद राजनाथ या गडकरी, डाहध्वन और विजय गोयल की श्रेणी में चले जाएंगे।

लेकिन इस पर केवल आपत्ति नहीं अस्वीकार्य होगा भारत की जनता को। देश की गरीब आमजनता को। गांधी नेहरू परिवार का कोई सदस्य कांग्रेस में न होना तो जनता को अनाथ कर जाएगा। बेसहारा। यह कोई वंशवाद नहीं है। आम जनता की दुःख तकलीफों के साथ अगर कोई सबसे ज्यादा खड़ा हुआ है तो वह यही परिवार है।

मोतीलाल नेहरू से लेकर आज राहुलतक और किसने इतने संघर्ष किए हैं त्याग, बलिदान किया। दो दो सदस्य देश की एकता और अखंडता के लिए शहीद हुए। इन्दिरा गांधी और राजीव गांधी जैसी

कुर्बानियां कोई दे सकता है यहां तो आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान आंदोलन में यह कहते हुए आते हैं कि कह दो अपने मुख्यमंत्री सेजिना वापस जा रहा हूँ। किसानों से ऐसा डा!

तो भारत की जनता नेहरू-गांधी परिवार से प्यार करती है तो नाराज भी होती है। उसे हक है इसका। इन्दिरा गांधी से भी हुई थी। उन्हें हराया। फिर वापस भी लाई। ऐसे ही 2014 और 2019 में हराया। और अगर उसे लगेगा कि फिर उसे परिवार केगरीब समर्थक रवैके की, बेरोजगार को रोजगार देने का वादा करने वाले राहुल की, मंहगाई के खिलाफ लड़ने वाले की, उसके बच्चों के लिए सरकारी शिक्षा देने वाले की, उसके बच्चों के लिए सरकारी इलाज का इंतजाम करने वाले की जरूरत है तो वह राहुल को लाएगी। राहुल की मेहनत और धैर्य सफल होगा।

लोकतंत्र की यही खूबी है। जनता चाहती है तो वापस भी लाती है। वह वंशवाद, परिवार इन सब नकली मुद्दों पर यकीन नहीं रखती। वंशवाद क्या क्या इस आरोपके कारण राहुल जनता के दुःख दर्द सुनना बंद कर दें टीक है तो और कौनसुन रहा है अग्निवीरों का दर्द राहुल ने उठाना ना। उसी के बादर क्षमत्री राजनाथ सिंह को उीक चुनाव में कहने पर मजबूर होना पड़ा किजीत गए तो इस समस्या पर विचार करेंगे। अभी तक तो मान ही नहीं रहे थे। और फिर यह युवाओं को पूछना चाहिए कि जीत गए से क्या मतलब आज और अभी इसरोजना को निरस्त करने की घोषणा करो। क्या हो जाएगा। आपको पार्टी पर कौनसी आचार संहिता लगती है

तो यह राहुल इम्पैक्ट है। राहुल ने इतने सालों में यही कमाया है कि अब उनकी बोली हुई कोई बात खाली नहीं जा रही है। यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि वह अपने सबसे विश्वसनीय, साहसी, अथक परिश्रम करने वाले राहुल गांधी को वह साथ नहीं देती है जो उसे देना चाहिए। कांग्रेसियों को यह समझना चाहिए कि विपक्ष राहुल की विश्वसनीयता की वजहसे ही एक गठबंधन में आने के लिए राजी हुआ। विपक्ष की एकता और राहुल की विश्वसनीयता इस चुनाव में सबसे बड़ी ताकत है। मोदी और टैट्रिक के बीच बड़ी दीवार!

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 113: परशुराम जी द्वारा श्री राम को एक और धनुष उठाने की चुनौती

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

भगवान श्री राम ने उस धनुष की ओर देखा। वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। यह भगवान विष्णु का धनुष है। श्री राम इसे कैसे ना पहचानते? उन्होंने कहा, 'हं मुनिवर इस धनुष को देख रहा हूं और पहचान भी रहा हूँ। यह भगवान विष्णु का प्रसिद्ध धनुष शरणां है।'

'अब अगर तुम सचमुच वीर हो तो इस धनुष पर बाण को दशरथ लक्ष्य का संधान करके बताओ। अगर तुम ऐसा कर लगे तो मैं तुमसे द्रढ़ युद्ध के लिए तैयार हो जाऊंगा।' परशुराम जी ने कहा। अश्रद्धा और अविश्वास मन की एक खतरनाक स्थिति होती है। कई बार सामने वाले की शक्ति और वास्तविकता का ज्ञान हो जाने पर भी मनुष्य अपनी धूर्त धारणाओं के कारण इसे स्वीकार नहीं करता। वही स्थिति परशुराम जी की है। वे भगवान विष्णु के अवतार श्री राम के समक्ष हैं लेकिन इसका स्पष्ट

संकेत मिलने पर भी वे इसे स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। परशुराम जी ने स्वयं अपने आप से कहा, 'राम त्रेता युग के उदारक है या नहीं इसका निर्णय इस वैष्णव धनुष से हो जाएगा। मैं अपने तपोबल से एक क्षण में दशरथ पुत्र राम की वास्तविकता ज्ञात कर सकता हूँ, लेकिन यह सार्वजनिक रूप से होगा तो संपूर्ण जगत इसे देखेगा। अगर राम सफल हो जाएंगे तो मुझे सैकड़ों वर्षों के अपने निरंतर सशस्त्र अभियान के बाद थोड़ा विश्राम मिल जाएगा और अगर राम असफल हो जाएंगे तो मेरी यात्रा फिर प्रारंभ हो जाएगी, क्योंकि मुझे ज्ञात है कि आर्यावर्त के दक्षिण में लंकेश की चुनौती बढ़ रही है।'

महाराज जनक चिंतित हो उठे। श्री राम वीर और क्षमतावान हैं। कहीं ऐसा न हो जाए कि श्री राम परशुराम की इच्छा के अनुसार इस धनुष का उपयोग न कर सकें और यहां उपस्थित पराजित राजा, सीता के स्वयंवर और उनके द्वारा कुमार राम के वरण को अस्वीकार किए जाने की मांग न उठे।

सीता जी श्री राम के पुनः सफल होने के लिए आश्रय हैं, लेकिन उन्हें क्षोभ है कि कुमार राम को बार-बार परीक्षा देनी पड़ रही है। (भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत और हिंदी साहित्य से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रमायण लिखे गए हैं। लेखकों ने इस रचना में श्री राम की महात्मा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

महर्षि विश्वामित्र ने कहा, 'परशुराम जी! शिव धनुष के रूप में एक परीक्षा तो राम दे चुके हैं, अब इस वैष्णव धनुष के रूप में आप उनकी देववारा परीक्षा लेना चाहते हैं? इसकी आवश्यकता नहीं है। एक बार पुनः विचार कर लीजिए।'

'मैंने सोच विचार कर ही यह निर्णय लिया है सार्वणीय, अतः आप निश्चित रहें।'

वर्षों पूर्व भगवान विष्णु ने परशुराम जी के ही पितामह ऋचीक मुनि को यह धनुष सौंपा था, बाद में यह धनुष परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि से होता हुआ उनके पास पहुंचा। यह एक विशिष्ट परिस्थिति है कि अब भगवान विष्णु को अपने धनुष को ऋचीक मुनि के वंशज से ही वापस लेने की स्थिति बन रही है।

सं. सीक क्र. 020

6	8	1	2	5	3
3	8	2	5	1	3
5	3	9	2	5	4
4	4	2	3	6	7
2	9	7	6	8	7

शब्द सार्वर्भ 020

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

राशिफल

मेष आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर को लेकर आज आप उत्साह में रहेंगे, लेकिन अपने दिमाग से काम करने से आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए, समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

वृषभ आज आपका दिन सामान्य रहेगा। काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए विनता ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज किसी अनुभव की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों को लेकर आप ज्यादा ही भावुक हो जाएंगे।

मिथुन आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को खुबसी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नए सामान की खरीदारी करेंगे। आज आप जीवनसाथी को तरकीब से खुश होंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं। आज आप कोई नया व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे।

कर्क आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज परिवार कासंयोग्य प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी। दाम्पत्य रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। कामर्स स्ट्रुडर्स के लिए दिन फायदेमंद होने वाला है।

सिंह आज आपका दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आप आस-पास के लोगों के सहयोग से परेल्ड कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको मना-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है, जिसकी आपको हेल्प करने का अवसर मिलेगा।

कन्या आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कोई नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

तुला आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आपका किसी यात्रा पर जाने का योग बन रहा है, जिससे आपको लाभ भी होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आध्यात्म की तरफ आपका रुझान अधिक रहेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। सिनेमा जगत के कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। आज खुद की प्लाटी की जिम्मेदारी न लेने से आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। समस्याओं के लिए दूसरों लोगों को जिम्मेदार मानने से आपको रिश्तों में दार आ सकती है। खुद में सुधार लाएं।

मकर आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आज आपके करियर पर काम ज्यादा रहेगा। आपका किसी के प्रति आधिक आत्मविश्वास से नुकसान हो सकता है। इससे आपके पारिवारिक संबंध खराब हो सकते हैं। आप सामाजिक स्तर पर कुछ नए बदलाव करने की सोचेंगे आपको अन्य लोगों का साथ भी मिलेगा।

कुंभ आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज कारोबारी संबंधी योजनाओं को अपूर्णित लोगों के सामने जाहिर न करें, कोई इसकी नकार कर सकता है, इससे आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। पुरानी पार्टियों के सेल परचेज संबंधी बिजनेस में अच्छी डील होगी।

मीन आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम का व से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। मानसिक रूप से दिन लोगों के साथ कोई पेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा और मैट्रिशन की रूटिन भी अपनाएंगे।

राजनीति के मैदान में फिल्मी सितारे हारते ही आये हैं

जब भी चुनावों, खासकर लोकसभा चुनाव, की तारीखें घोषित होती हैं, अपनी चमक खो चुके बॉलीवुड के सितारे अचानक राजनीति के फलक पर जगमगाने लग जाते हैं। लेकिन इन फिल्मी सितारों का राजनीतिक रोल सीमित ही रहता है। भले ही उन्होंने चुनाव जीत लिया हो लेकिन राजनीति के मैदान में वो हारते ही आये हैं।

18 वीं लोकसभा के लिए होने जा रहे चुनावों में अरुण गोविल और कंगना राणवत के डेब्यू और गोविंदा की वापसी में इस पुराने, लेकिन दिलचस्प विषय को फिर से चर्चा में ला दिया है। फिर से उन्हीं प्रश्नों को पुनर्जीवित कर दिया है, जो हर बार सितारों को चुनाव लड़ते देखकर उठते जाते हैं।

मसलन, फिल्मी सितारे राजनीति में क्यों आते हैं, जबकि समाज सेवा तो वे राजनीति में आते बिना भी कर सकते हैं। उन्हें खुद पर इतना भरोसा क्यों होता है कि जनता उन्हें सितारों ही पार्टियों अपने वर्षों पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर सितारों को क्यों चुनाव मैदान में उतारती है? ज्यादातर फिल्मी सितारे जीतने के बाद अपने मतदाताओं के लिए कुछ नहीं करते। क्या यह देश के कीमती संसाधनों और इनसे भी कीमती जनता के मतों की बर्बादी नहीं है चुनाव क्षेत्रों में लौटकर कभी न जाने के बावजूद पार्टियों उन्हें फिर से उसी क्षेत्र में चुनाव लड़ने भेजने की हिम्मत और हैसियत कैसे जुटा पाती है ऐसे और भी कई प्रश्न हो सकते हैं, जिनके जवाब खोजना कोई मुश्किल नहीं है। लेकिन, इससे पहले हमें एक बात को स्वीकार करना होगा कि यह भी उन विषयों में से एक है, जिनका सामान्यीकरण नहीं किया जा सकता।

अभी तक मतदाताओं द्वारा सितारों को चुनकर भेजने का जो रुझान रहा है, उसमें यही देखा गया है कि ज्यादातर वे सितारे चुनाव जीतते आए हैं, जो सत्तारूढ़ दल की ओर से चुनाव लड़े होते हैं। इनमें भी अधिकतर ऐसे सितारे होते हैं, जिनका राजनीति या समाजसेवा में अनुभव लगभग शून्य ही होता है। इनमें ऐसे बहुत कम होते हैं, जो समाज या लोगों के लिए कुछ करने की इच्छा के वशील होकर राजनीति में आते हैं। ऐसे उदाहरण बहुत कम हैं जब वे सितारे प्रशंसकों से मतदाता बनने वाली अपने क्षेत्र की जनता को अपने कार्य से संतुष्ट कर पाए हों। अपनी छवि और सामाजिक कार्यों के बूते पर पांच बार लोकसभा चुनाव जीतने वाले बालीवुड के स्टार सुनील दत्त जैसे कलाकार अचानक देह होगे, जिन्हें राजनीति बहुत पसंद आई। वनों अधिकतर सितारों ने सांसदी तो पाई लेकिन अपनी प्रतिष्ठा गंवा दी। इस वजह से कुछ दोबारा टिकट पाने में नाकाम रहे तो कुछ अपनी जीत को दोहराने में। अमिताभ बच्चन और धर्मेन्द्र जैसे कुछ कलाकार ऐसे भी थे, जिन्होंने राजनीति से मोहभंग होने की बात कहते हुए संन्यास ले लिया। वैसे भी वास्तविक जीवन में हीरो बनना सेट पर हीरो बनने जितना आसान नहीं होता। 2004 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर लोकसभा में सीट हासिल करने वाले गोविंदा न तो अपने मतदाताओं को नजर आते थे और न लोकसभा में। उन्होंने चार साल बाद सांसदी से इस्तीफा दे दिया। अपने लोकसभा क्षेत्र और लोकसभा में बहुत काम दिखाई देने वाले एक और कलाकार सनी देओल भी हैं, जो पंजाब के गुरुदासपुर से सांसद हैं। उनकी राजनीति में असफलता के कारण ही इस बार भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया है। सनी देओल उसी सीट से सांसद थे जिससे दिवंगत विनोद खन्ना चार बार सांसद चुने गए थे। चुनाव क्षेत्र में न जाने के आरोप उन पर भी लगते थे, लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता की समस्याएं सुनने और हल करने के लिए अपने लोगों की टीम बनाई हुई थी। यह टीम व्यवस्थित ढंग से अपना काम करते हुए उनकी जीत की संभावनाओं को बचाए रखती थी। राजनीति को रास आने वाले मौजूदा कलाकारों में शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी और स्मृति ईरानी का नाम भी प्रमुखता से लिया जा सकता है। लेकिन, देखा जाए तो फिल्में से राजनीति में जाने वाला फिल्म्स जगत का कोई भी सितारा पॉलिटिकल स्टारडम की उन ऊंचाइयों को नहीं छू पाया है, जिन पर दक्षिण के सितारे दशकों तक विराजमान रहे। चाहे वह एनटीआर हों, जयललिता हों या एम. जी. रामचंद्रन। इन्होंने अभिनेता के तौर पर भी लोगों के दिलों को चुरा लिया और राजनीति के रूप में भी। शत्रुघ्न सिन्हा ने ऐसी आकांक्षा जरूर पाली थी, लेकिन बेल परवान नहीं चढ़ पाई। बार-बार सांसद में पहुंचने में वे अवश्य सफल रहे हैं। कुछेक अपवादों को छोड़कर, सितारों का राजनीति या समाज में कोई बहुत खास योगदान नहीं रहा है। इसके बावजूद पार्टियों उन पर दांव लगाती हैं, तो यह अकारण नहीं होता। पहले कहा जाता था कि वे सितारों की लोकप्रियता को भुनाकर अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए उन्हें मैदान-ए-जंग में उतारती है।

सामाजिक मजबूती हेतु अपनी संस्कृति को बचाए रखना जरूरी - कमल किशोर साहू

डोंगरगांव (दावा)। तहसील साहू संघ डोंगरगांव, नगर साहू संघ डोंगरगांव व ग्राम साहू समाज मटिया के संयुक्त तत्वाधान में समाज के कुलदेवी भक्त माता कर्मा की तहसील स्तरीय जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ कर्मा भवन मटिया डोंगरगांव में मनाया गया। कार्यक्रम में भोलाराम साहू विधायक खुज्जी, जिला साहू संघ के पूर्व अध्यक्ष कमल किशोर साहू, पूर्व जिला महामंत्री अमरनाथ साहू, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती नीरा साहू व शैलेंद्र साहू, जनपद अध्यक्ष टिकेश साहू, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्रीमती संघ्या साहू, पार्षद रुखमणी साहू व डिकेश साहू, समाजसेवी कोशल राम साहू बतौर अतिथि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पीडी साहू, मोहनशा साहू जनपद सभापति, भुवाल साहू उप कोषाध्यक्ष, डॉ. नरेंद्र साहू, अंजोर सिंह साहू, महेश्वर साहू भी मौजूद रहे। प्रमुख अतिथि



के रूप में सम्मिलित जिला साहू संघ के पूर्व अध्यक्ष कमल किशोर साहू ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि समाज मजबूत तब होगा जब हम अपने समाज की संस्कृति को बचाए रखें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला साहू संघ के उपाध्यक्ष श्रीमती नीरा साहू ने महिलाओं को समाज में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। जिला के पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू ने भक्त माता कर्मा के जीवन में संघर्ष व उनकी भक्ति मार्ग को स्मरण कर अपने जीवन में आत्मसात करने को कहा। कार्यक्रम को नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती संघ्या साहू पार्षद

डिकेश साहू व रुखमणी साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां कर्मा की मंदिर में पूजा अर्चना के साथ हुई तत्पश्चात मां कर्मा की शोभायात्रा मंदिर से निकलकर मटिया वार्ड का भ्रमण करते हुए पुराना बस स्टैंड, राजीव गांधी चौक साकेत धाम होते हुए कार्यक्रम स्थल कर्मा भवन पहुंची, शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर में कलश लेकर मां कर्मा की भजन कर कड़कती धूप के वाजजूद पूरे उत्साह के साथ थिरक रहे थे। शोभायात्रा में जिला साहू संघ के पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, उपाध्यक्ष शैलेंद्र साहू, तहसील अध्यक्ष व हेमंत साहू, सचिव धनराज साहू, कोषाध्यक्ष रामप्रकाश साहू, नगर अध्यक्ष कोशल साहू, सचिव नारायण साहू, मटिया अध्यक्ष नामदेव साहू, पुरुषोत्तम साहू, लविंद साव, पुरुषोत्तम साहू, धर्मेश साहू, इन्दु साहू, एलन साहू, पूर्णिमा साहू, जागेश्वर साहू, गिरधर साहू विसनाथ साहू, युवा प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष लोकेश साहू जिला संगठन सचिव महेंद्र साहू, जनपद सभापति मोहनशा साहू आदि सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी व सामाजिकजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ व प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण का पटन नामदेव साहू, कोशल कुमार व हेमंत साहू ने किया आभार प्रदर्शन नगर सचिव नारायण साहू व पुरुषोत्तम साहू सचिव मटिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन लविंद साव, धनराज साहू व एन.डी.साहू ने किया।

नगर पंचायत अम्बागढ़ चौकी में गंदगी का आलम

बजबजा रही नालियों की महीनों से नहीं हो रही सफाई

अम्बागढ़ चौकी (दावा)। नगर पंचायत अम्बागढ़ चौकी में गंदगी का आलम इस प्रकार है, की जगह-जगह कूड़े का ढेर नजर आता है, जिसे आवा रा पशु खाने को मजबूर है, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से निकला कचरा नगर की सुदूरता में कलंक का काम कर रहा है, नगर पंचायत के अधिकारी व जनप्रतिनिधि आंखे खोल कर सोए हैं, नगर की समस्या इन्हें दिखाई नहीं देती, कहीं नालियां बजबजा रही हैं, महीनों से नालियों की सफाई नहीं हुई, तो कहीं कूड़े का ढेर दिखाई पड़ता है जिसे आवा रा पशु खाने को मजबूर है, ना जाने कब



अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की नींद खुलेगी। प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित नगर पंचायत आज स्वच्छ भारत अभियान में रोज़ा बन रहा है। बजबजाती नालियों एवं कूड़े के ढेर से मच्छर, मक्खियां पैदा हो रही हैं जिससे बीमारियां फैलने की संभावना बनी हुई है। नगर पंचायत की लापरवाही कहीं इस मौसम में नगर वासियों के लिए भारी ना पड़ जाए।

पहला कॉलम...

माहिर सिद्धिकी बने जिलाध्यक्ष

अंबागढ़ चौकी (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन ने अपनी कार्यकारीणी का विस्तार करते हुए नवीन जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी के जिलाध्यक्ष पद पर अब्दुल माहिर सिद्धिकी (सहायक शिक्षक) जो की अंबागढ़ चौकी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला कुदुघोडा में पदस्थ है उन्हें नियुक्त किया। अब्दुल माहिर सिद्धिकी ने प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा शिक्षकों के हित के लिए सदैव समर्पित रहने की बात कही। सभी शिक्षक साथियों ने माहिर सिद्धिकी को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

आज बछेराभाटा में मां कर्मा जयंती

डोंगरगाढ़ (दावा)। स्थानीय साहू समाज बछेराभाटा के द्वारा आयोजित संत शिरोमणि भक्तमाता कर्मा जयंती के अवसर पर 8 अप्रैल को ग्राम पंचायत बछेराभाटा में मां कर्मा जयंती की पूजा एवं आराधना किया जायेगा। इस अवसर पर डोंगरगाढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल एवं डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू मुख्य अतिथि के रूप में एवं साथ ही तहसील एवं बेलगांव मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। अवसर पर ग्रामवासियों के लिये प्रसादी के रूप में भंडारा का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी साहू समाज ग्राम बछेराभाटा के कोषाध्यक्ष हेमलाल साहू के द्वारा दिया गया।

भाट समाज की बैठक संपन्न



राजनांदगांव (दावा)। भाट समाज का आवश्यक बैठक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन ग्राम कोदवा जिला बलीदा बाजार में संपन्न हुआ। होली मिलन समारोह में सामाजिक बन्धुओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की एवं चैत्र नवरात्रि की अग्रिम बधाई प्रेषित किया एवं भाट समाज की उन्नति एवं सामाजिक मजबूती के लिए भाट समाज संगठित होकर एक दूसरे को सहयोग के लिए तत्पर होकर कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है एवं अन्य सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से संगठन मंत्री व जिला शहर भाट समाज अध्यक्ष श्रवण कुमार भाट, छविमन अध्यक्ष, रामखिलान भाट कोषाध्यक्ष, जीवराखन भट्ट, सचिव सोनू भाट सहित सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोधी परिवार से मिलने पहुंचे विष्णु निवास



डोंगरगाढ़ (दावा)। लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष व लोधी ट्रेवल्स एवं लोधी पेट्रोलियम के संचालक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी व उनके परिवार से सौजन्य मिलने राजनांदगांव लोकसभा के उम्मीदवार व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विष्णु निवास पहुंचे। परिवार के वरिष्ठ सौपर राम लोधी लम्बे समय से कांग्रेस में अपनी सेवाएं देते आए हैं और शिवेंद्र बहादुर के साथ काम किए हैं। श्री बघेल के साथ शामिल गणमान्य जनों में डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू, डोंगरगाढ़ विधायक हर्षिता बघेल, जिला अध्यक्ष भागत साहू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गुलाब वर्मा, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र शावक, किष्मन विंग के जिला अध्यक्ष मदन साहू, जनपद अध्यक्ष भावेश सिंह, संघ्या देश पाण्डेय, पंकज बांधवा, निखिल द्विवेदी, ब्लाक अध्यक्ष हिरा सोनी, ब्लाक अध्यक्ष सुरेश सिंहा, शहर अध्यक्ष विजय राज सिंह, सेक्टर प्रभारी रमेश उडके, पूर्व जनपद अध्यक्ष गोविंद टंडन, शिशुपाल पाल भारतीय आदि कांग्रेस कार्यकर्ता, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के लोग भी बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

रायपुर में अग्रबती फैक्ट्री में लगी आग, 1 घंटे से तक धधकती रही आग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में पीएसपीडीसीएल के अग्निकांड के बाद रायपुर को एक आगबली फैक्ट्री में आग लगा गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है। मौके पर पुलिस की टीम खाना हो गई है। बताया जा रहा है कि 1 घंटे से आग धधक रही थी, जिसे बुझा लिया गया है। पूरा मामला खमतराई थाना अंतर्गत उरकुरा का है। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची।

जिले में अब प्री-पेड मीटर से होगी बिजली बिल की वसूली

खैरागढ़ (दावा)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जल्द ही सभी बिजली कनेक्शन में स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी कर चुकी है। प्रदेश स्तर पर टेंडर की प्रक्रिया होने के बाद खैरागढ़ जिले में मई माह से स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रदेश के बड़े शहरों में यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। खैरागढ़ जिले में तकरीबन सवा लाख बिजली कनेक्शन है। विद्युत वितरण कंपनी के अफसरों से मिली जानकारी अनुसार पहले चरण में स्मार्ट मीटर ट्रांसफार्मर व शासकीय कार्यालयों में लगाए जाएंगे। दूसरे चरण में घरेलू कनेक्शन और तीसरे चरण में गैर घरेलू और कमिश्नरियल कनेक्शनों में प्री पेड मीटर लगाए जाएंगे। इस मीटर के लगाने के बाद स्मार्ट मीटर की प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। इससे स्मार्ट बिलिंग का झंझट खत्म हो जाएगा। मोबाइल को रिचार्ज कराने जैसे ही बिजली बिल के लिए पहले से घर की खपत और बिल के आधार पर पहले ही रिचार्ज कराना पड़ेगा।



कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी
स्मार्ट मीटर को मोबाइल सिम की तरह पहले रिचार्ज कराना होगा। स्मार्ट मीटर से बिजली की कमी भी हो रही बिजली की चोरी आसानी से पकड़ में आ जाएगी। प्री पेड मीटर घर के अलावा संबंधित इलाके के ट्रांसफार्मर, सेक्टर, और सब स्टेशन में भी लगे होंगे। इससे पूरे इलाके की खपत एक साथ सभी जगह मिलेगी। रीडिंग अलग-अलग होने से क्षेत्र के हिसाब से चोरी को पकड़ने में आसानी होगी। इसके चलते हर माह रीडिंग व बिलिंग की जरूरत नहीं होगी, कोई बकायादार नहीं रहेगा। राजस्व की बढ़ोतरी होगी। मीटर व बिजली खपत की जानकारी उपभोक्ता को मोबाइल ऐप से मिल जाएगी। रिचार्ज और बैलेंस संबंधी कार्य भी हो जाएंगे। लाइन लॉस में कमी आएगी। मेट्रोनेस में भी आसानी होगी।

0 विद्युत कनेक्शनों में लगेंगे स्मार्ट मीटर, जल्द शुरू होगी प्रक्रिया
0 बैलेंस खत्म होते ही बिजली की सप्लाई हो जाएगी बंद

बिल पटाने व वसूलने का झंझट खत्म
स्मार्ट मीटर प्री-पेड होंगे मोबाइल सिम की तरह ही पहले रिचार्ज करना पड़ेगा। ऐसे में हर महीना बिजली बिल पटाने और वसूली की समस्या ही नहीं होगी। बिजली की खपत के हिसाब से पहले ही प्लान के अनुसार राशि का भुगतान करना होगा। राशि खत्म होते ही कंपनी द्वारा बिजली सप्लाई रोक दी जाएगी।

भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे ने घुमका क्षेत्र में किया जनसंपर्क



घुमका (दावा)। लोकसभा प्रत्याशी भाजपा के उम्मीदवार संतोष पांडे ने रायपुर को घुमका इलाके के घुमका सहित शालोनी, मुड़पार, उतरवाह, कलडबरी, खैरडीही, तिलई, पदुयंतारा, उमहाटोला, धोराभांटा, डुमरडीकला, बिचारपुर, चारभांटा, गातापारकला का तुफानी दौर कर अपने पक्ष में मत दान करने की अपील की। इस अवसर पर जगह-जगह फूल माला व आतिशबाजी के साथ सांसद पांडे का जोशीला स्वागत किया गया। इस अवसर पर लोक कला मंच के कलाकारों ने पांडे के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के माध्यम से भाजपा का प्रचार की ग्रामीणों ने लोककला मंच की प्रस्तुति को चाव से देखा व सुना। उन्होंने इस अवसर पर मतदाताओं को केंद्र सरकार व राज्य सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को बताते हुए कहा कि देश की सुखसा मोदी सरकार ही कर सकती है, ऐसे लोकप्रिय मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है तो कमल में बटन दबा कर 400 पर सांसद का बहुमत होना चाहिए, आप सभी के आशीर्वाद की आवश्यकता है। इस अवसर पर जनपद सदस्य दिलीप पटेल एवं पांच रूप नारायण साहू के नेतृत्व में उप सरपंच राजेश वर्मा, विक्रम वर्मा, पंच दिलेश्वर वर्मा अन्य 25 लोगों ने सांसद पांडे के समक्ष भाजपा का सदस्यता ग्रहण किया सांसद पांडे ने बीजेपी का कमल छाप वाले गमछ से स्वागत कर सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर राजेश श्यामकर, रामजी भारती, विनोद खांडेकर, जनपद अध्यक्ष प्रतीक्षा भंडारी, राजेश्वरी साहू, मंडल अध्यक्ष जागेश्वर साहू, मोर्चा अध्यक्ष ललित साहू, परदेसी सोनबोहर, अजय सिंह, अनिल सिंह, नोमेश वर्मा, जनक साहू, संतराम नागपुरे, रेखाराम साहू, नरेंद्र वर्मा, प्रमोद दुबे, दीपक वर्मा बृथ अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

0 विद्युत कनेक्शनों में लगेंगे स्मार्ट मीटर, जल्द शुरू होगी प्रक्रिया
0 बैलेंस खत्म होते ही बिजली की सप्लाई हो जाएगी बंद

भुगतान करना होगा। राशि खत्म होते ही कंपनी द्वारा बिजली सप्लाई रोक दी जाएगी।

चंद घण्टे में चोरी के आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगाढ़ (दावा)। चोरी के मामले में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, एसडीओपी डोंगरगाढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देशन पर थाना प्रभारी डोंगरगाढ़ सी.आर. चन्द्रा द्वारा अपने टीम के साथ घटना स्थल खाना होकर घटना स्थल निरीक्षण कर संदेही आरोपी अखिलेश टेम्पुरकर पिता स्व. जागोराव टेम्पुरकर उम- 30 साल निवासी कालकापारा को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। जो डिक्री से पैसा चोरी करना एवं चोरी किये पैसा को घर अन्दर कमरा में गढ़े के अन्दर छिपाकर रखना बताने पर आरोपी के द्वारा अपने घर कमरा के गढ़े अंदर से चोरी किये नगदी रकम 65,700 रु. को निकालकर पेश करने पर जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। प्राथी सुरेंद्र इंदुरकर पिता राधेलाल इंदुरकर उम 35 साल निवासी भीमनगर जो थाना चौक डोंगरगाढ़ स्थित ककड़ बजाज शो रुम में मैनजर के पद पर काम

० चोरी की नगदी रकम 65,700 रु. के साथ आरोपी गिरफ्तार

करता है। दिनांक 06 अप्रैल को लगभग 3:00 बजे क्रिस्ट में मिले पैसे नगदी रकम 65700 रु. को अपने एचिएएट स्कूटी क्रमांक-सीजी-08/एएन 2056 के डिक्री में रखकर शो-रूम से प्लेटिन वाहन का डेमो दिखाने के लिये बोतलावा बाजार चला गया था। जहां से वापस आकर देखा तो स्कूटी की डिक्री खुली हुई थी तथा डिक्री में रखे नगदी रकम 65700 रु. डिक्री में नहीं था। शो-रूम में काम करने वाले स्टाफ से पूछा कि क्या कोई पता नहीं चलने पर जप्त किया कोई पता नहीं चलने पर जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। प्राथी सुरेंद्र इंदुरकर पिता राधेलाल इंदुरकर उम 35 साल निवासी भीमनगर जो थाना चौक डोंगरगाढ़ स्थित ककड़ बजाज शो रुम में मैनजर के पद पर काम

भूपेश बघेल को डेढ़ लाख वोटों से हराकर वापस पाटन भेजेंगे, संस्कारधानी के मतदाता- रवि अग्रवाल

डोंगरगाढ़ (दावा)। जनपद पंचायत डोंगरगाढ़ के वरिष्ठ जनपद सदस्य रवि अग्रवाल ने एक विज्ञापन जारी कर दावा किया है, की आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के मतदाता डेढ़ लाख से अधिक वोटों से हराकर वापस पाटन भेजेंगे। कांग्रेस प्रत्याशी श्री बघेल पर अपने मुख्यमंत्री काल में भ्रष्टाचारियों को खुला संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए श्री अग्रवाल ने कहा है कि, पिछले पांच सालों में कांग्रेस की सरकार में जिस प्रकार लूट अत्याचार जुआ सट्टा और शराब का आतंक जनता ने खुली आंखों से देखा था, उसको संस्कारधानी की जनता आज तक नहीं भूलती है। उनके द्वारा किए गए सभी कुकर्मों का फल राजनांदगांव की जनता भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को प्रचंड बहुमत से जिताकर श्री बघेल से अपना बदला लेंगी। मोदी के नेतृत्व में देश ने ऐतिहासिक प्राप्ति की है वरिष्ठ जनपद सदस्य श्री अग्रवाल ने कहा है कि, देश में जिस प्रकार



को पिछले रुके हुए दो साल का बोनस मिला और धान के अंतर की एक मुस्त राशि मिली, जिससे किसान को विष्णुदेव सरकार और मोदी सरकार के प्रति पूरा विश्वास हो चुका है। उसी तरह महिला बहनों को महतारी बंदन की राशि लगातार मिलने से महिलाओं में एक नया उत्साह का संचार हुआ महिलाओं को भूपेश सरकार और विष्णुदेव साय की सरकार की कथनी और कहानी का अंतर साफ नजर आने लगा है। अत्याचार व गुंडगर्दी का राज खत्म पिछली कांग्रेस सरकार के कार्य की आलोचना करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा है कि एक तरफ अन्याय अत्याचार गुंडा गंदी की पांच साल की सरकार और दूसरी तरफ सरल सौम्य स्वभाव के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार आज इन सभी बातों और कार्यों की तुलना जनता कर रही है। और लोकसभा चुनाव का परिणाम निश्चित तौर पर भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे के पक्ष में रहेगा और राजनांदगांव लोकसभा में एक नया इतिहास लिखा जायेगा।

कर्मा जयंती में भोलाराम ने कहा- महान व्यक्ति किसी एक समाज का नहीं, अपितु सम्पूर्ण समाज के लिये होता है

(राजेश मेश्राम)
जोधरा (दावा)। प्रत्येक समाज में एक महान व्यक्ति का जन्म हुआ है। ऐसे ही हमारे तेली समाज में एक महान व्यक्ति का जन्म हुआ जिन्होंने तेली समाज को विपरीत से ऊपर उठाकर समाज में बराबरी का स्थान दिलाया वो महान विभूति भक्त माता कर्मा रही है, जिन्होंने भक्ति, शक्ति और मुक्ति का मार्ग समाज में प्रशस्त किया। उक्तशय के उद्गार परिक्षेत्र स्तरीय ग्राम जोधरा में आयोजित कर्मा जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को आसंदी से खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि समाज को दिशा देने के लिए किसी ना किसी महापुरुष का जन्म हुआ है, लोधी समाज में अवन्तीबाई, बौद्धसमाज में डॉ. भीमराव आम्बेडकर, के संरक्षक दयालदास साहू ने कहा कि साहू समाज को भक्त माता कर्मा के बारे में पूरी जानकारी होना आवश्यक है, जब हमे पूरी जानकारी होगी तभी हम अपने ज्ञान को दूसरी पीढ़ी में हस्तान्तरित कर पायेंगे। तहसील साहू संघ के अध्यक्ष हेमन्त साहू ने कहा कि साहू समाज एक सभ्य समाज के रूप में पहले ही अपनी पहचान देश में बना चुका है, पर आज की आधुनिक पीढ़ी कुछ बुरे व्यसन में फंसे जा रही है, उन्होंने समाज में चेतना जागृत करने की बात कही ताकि साहू समाज के युवाओं की शक्ति देश हित में काम आये। पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू ने कहा कि भक्त माता कर्मा का आशीर्वाद का ही परिणाम है कि साहू समाज अपने सामाजिक क्षेत्र में सुदृढ़ है।



उन्होंने समाज के द्वारा समय-समय में युवाओं के कैरियर निर्माण पर आयोजित कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम शुभारंभ के पूर्व समाज के महिला एवं पुरुषों द्वारा ग्राम भक्त माता कर्मा की रेली निकाली गई साथ ही कलश यात्रा का भी आयोजन किया गया। साहू समाज ने प्रतिभाओं को

किया सम्मानित- ग्राम जोधरा में आयोजित कर्मा जयंती समारोह में सामाजिक हितों से सरोकार रखने वाले विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक भोलाराम साहू, पत्रकार राजेश मेश्राम, साहू समाज के न्याय प्रकोष्ठ के सुन्दरलाल साहू शिक्षक द्वारिका साहू आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपक साहू, सेऊक राम, खुमानदास, अमरदास, नवल किशोर, रमेश साहू, कांतीलाल, भागत साहू रविनुसा, दुकालुगाम, देवसिंह टेकराम साहू, गीताराम साहू, महेंद्रकुमार साहू, गंगाधर साहू, मोताराम साहू, शुभारंभ के पूर्व समाज के महिला एवं पुरुषों द्वारा ग्राम भक्त माता कर्मा की रेली निकाली गई साथ ही कलश यात्रा का भी आयोजन किया गया। साहू समाज ने प्रतिभाओं को

पहला कॉलम...

पत्नी की हत्या करके लाश के किए 224 दुकड़े, कुत्तों को भी भून दिया

लंदन। ब्रिटेन में बहुत ही खौफनाक वारदात सामने आई है। वारदात के एक साल बाद दोषी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। दोषी का नाम निकोलस मेटसन है और उसने अपनी पत्नी हेली ब्रेमली की हत्या के बाद उसकी बाँधी को 224 दुकड़ों में काट दिया था। ये बाँधी पार्स उसने कुछ दिन घर पर रखे। बाद में उन्हें फेंकने के लिए दोस्त को 5 हजार रुपए दिए। मेटसन ने वारदात के 1 साल बाद जुर्म कबूला है। इस वारदात को इस नृशंसा से अंजाम दिया गया कि हेली को कल से पहले मेटसन ने उसके पालतू जानवरों को माइक्रोवेव में भून दिया था। उसने इंटरनेट पर सच किया था- अगर पत्नी मर जाए तो क्या फायदे मिलेंगे। क्या मरने के बाद वो मुझे डराएगी। पुलिस को घर से खून की बंदू आई थी। इसके बाद मेटसन को गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 24 मार्च 2023 को लिंकनशायर पुलिस को ब्रेमली की गुमशुदगी की रिपोर्ट मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम मेटसन के अपार्टमेंट पहुंची। मेटसन ने उस वक्त पुलिस को बताया कि ब्रेमली ने उससे मारपीट की और वह घर छोड़कर चली गई। मेटसन ने पुलिस को बाँह पर कटने का निशान भी दिखाया था।

पेलेग्रिनी ने स्लोवाकिया में राष्ट्रपति चुनाव जीता

ब्रातिस्लावा। स्लोवाक संसद के अध्यक्ष पीटर पेलेग्रिनी ने 53.12 वोटों के साथ स्लोवाकिया में राष्ट्रपति चुनाव जीता, उन्होंने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति का विरोध किया था। सभी मतपत्रों की गिनती के बाद रिवार को स्लोवाक सांख्यिकी कार्यालय ने यह डेटा जारी किया। उनके प्रतिद्वंद्वी, पूर्व स्लोवाक विदेश मंत्री इवान कोकोक, जो मुखर रूप से यूक्रेन के समर्थक हैं, को 46.87 वोट प्राप्त हुए। गौरतलब है कि 23 मार्च को हुए पहले दौर के चुनाव में श्री कोकोक को 42.51 वोट, जबकि श्री पेलेग्रिनी को 37.02 वोट प्राप्त हुए थे।

इजराइली सेना ने हमास के वरिष्ठ अधिकारी को उतारा मौत के घाट : प्रवक्ता

गाजा। इजराइली सेना ने घोषणा की है कि गाजा पट्टी पर उसके हवाई हमलों में हमास का एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मारा गया है। आईडीएफ के प्रवक्ता अविचरि अद्वई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजराइली रक्षा बलों और शिन बेट सुरक्षा सेवा ने गाजा और इजराइली क्षेत्रों पर हमले की योजना बना रहे हमास के अधिकारी को मार डाला। उन्होंने बताया कि मारा गया अकरम अब्दुल रहमान हुदीन सलामा हमास में कई उच्च पदों पर था। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना और इजराइली क्षेत्रों पर बड़े हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए उसकी तलाश की जा रही थी।

ब्रिटेन में तूफान कैथलीन के चलते दर्जनों उड़ानें रद्द

लंदन। तूफान कैथलीन यूनाइटेड किंगडम में कहर बरपा रहा है। इसके चलते ब्रिटेन की दर्जनों उड़ानें रद्द कर दी गईं। एडिनबर्ग, बेलफास्ट, मैनचेस्टर और बर्मिंघम में हज़ारों यात्री फंस गए। मौसम कार्यालय ने इंग्लैंड के अलावा आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के कुछ हिस्सों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया गया है कि खराब मौसम के चलते ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर प्रस्थान करने वाली और पहुंचने वाली 130 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। तूफान के कारण पूरे ब्रिटेन में तापमान भी बढ़ गया, जिसके रिवार तक बने रहने की आशंका है। स्कॉटलैंड में उड़ानों के अलावा रेल और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुईं हैं। पर्यावरण एजेंसी ने 14 अलर्ट जारी किए हैं, जहां बाढ़ का खतरा है। मौसम कार्यालय ने चेतावनी दी है कि समुद्र से उठने वाली लहरें तटों, नदीय सड़कों और मकानों तक आ सकती हैं, जिससे जान माल का नुकसान हो सकता है।

गोल्डी बराड़ ने विदेश में फिर खेला खूनी खेल: भुष्पी राणा गैंग के सदस्य की बेरहमी से हत्या करवाई

न्यूयॉर्क। अमेरिका में रह रहे गैंगस्टर और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी गोल्डी बराड़ ने रूस में गैंगस्टर भुष्पी राणा के गैंग के एक मेंबर की बेरहमी से हत्या करवाई है। गोल्डी बराड़ ने एक पोस्ट कर मर्डर की जानकारी दी। गोल्डी बराड़ ने दावा किया है कि कुख्यात गैंगस्टर भुष्पी राणा जो उसका धुर विरोधी भी है, उसने अपने गैंग के मेंबर को मुखावर बनाकर गोल्डी के गैंग में एंट्री करवाई थी। अजय गुला नाम का शख्स गोल्डी के करीबियों के साथ घुल मिल गया और गोल्डी बराड़ समेत उसके गैंग के मेंबरों की लोकेशन और एक्टिविटी को ट्रैक करने लगा।

प्रथम पेज का शेष

इस्त्राएल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान बता दें कि एक अप्रैल को गाजा हवाई हमले में अमेरिका की चैप्टी बर्लंड सेंट्रल किचन के सात सहायता कर्मियों की मौत हो गई थी। इस वजह से इस्त्राएल को अंतरराष्ट्रीय आक्रोश का सामना करना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत की और तत्काल युद्धविराम की मांग की। 'जो हमें चोट पहुंचाएगा, हम उसे चोट पहुंचाएंगे।' इस बीच नेतन्याहू ने इरान का इस्त्राएल के खिलाफ कई हमलों के पीछे होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो हमें चोट पहुंचाएगा या हमें चोट पहुंचाने की योजना बनाएगा, हम उसे चोट पहुंचाएंगे। हम हर समय इस सिद्धांत पर चलते हैं। बता दें कि सीरिया की राजधानी दमिश्क में इरानी वाणिज्य दूतावास हवाई हमले में पूरी तरह से बर्बाद हो गया था। इस हमले में इमारत में मौजूद इरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स के सीनियर कमांडर मुहम्मद रजा जाहेदी सहित पांच लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए थे। इसके बाद से अरब देशों में इस्त्राएल के खिलाफ उबाल है। ऐसे में गाजा में युद्ध फैलने की आशंका तेज हो गई है।

गृहमंत्री कानून तोड़ते हैं तो एफआईआर नहीं, तोड़ने की साजिश की है। इसकी बड़ी वजह सत्ता पक्ष के लोगों द्वारा दिया जाने वाला प्रलोभन और भय है। हालांकि यह सच है कि जो लोग पार्टी छोड़कर गए हैं, भाजपा से सिर्फ धोखा मिलेगा। लोगों को भय दिखाकर डराया जा रहा है। एफआईआर और मुकदमा तक की धमकी दी जा रही है। इसके अलावा निगम व अन्य मंडलों में पदों देने के झूठे वादे भाजपाइ कर रहे हैं। रही बात पार्टी के भीतर वाद-विवाद की तो कार्यकर्ता अपनी बात सही मंचों पर नहीं रख रहे हैं। हमने पहले भी कार्यकर्ताओं को कहा है कि अपने बातों पार्टी व संगठन के भीतर रखें न कि सार्वजनिक मंचों पर। हमारे लिए कार्यकर्ताओं का सम्मान सबसे बड़ा है। चुनाव में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा।

मथुरा में मंदिरों में दर्शन का समय बदला की ओर निकलने लगे। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव कम नहीं हुआ। महिलाएं और बुजुर्ग श्रद्धालु परेशान रहे। भीड़ के दबाव और खौफनाक के बीच से निकलने के बाद दिल्ली निवासी सलोनो (19) को मंदिर के गेट संख्या चार के पास मंदिर की परिक्रमा में चक्कर आ गए। जिसे उसकी महिला मित्र ने संभाला। शाम को बिहार के लकीसराय निवासी चिंटू (37) भीड़ के दबाव के बीच बेहोश गया, जिसे मंदिर के सुरक्षा गार्ड और स्वास्थ्य टीम भी? के बीच से निकालकर मंदिर के गेट संख्या पांच पर लाए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार दिया। करीब 15 मिनट में श्रद्धालु युवक सामान्य हो सका और वह अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ चला गया।

दस साल से नहीं मिली सफलता, जानते हैं उनके पास क्या कमी है। वह उन खामियों को दूर करने का प्रयास करते हैं, लेकिन राहुल गांधी को लगता है कि वह सब कुछ जानते हैं। प्रशांत किशोर ने 2019 के चुनाव में पार्टी की हार के बाद पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के राहुल के फैसले का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेता मानते हैं कि वे पार्टी में कोई भी फैसला निजी तौर पर नहीं ले सकते।

लखनऊ की जीत में चमके यश ठाकुर, हासिल किए 5 विकेट; गुजरात की तीसरी हार

अहमदाबाद। आईपीएल 2024 का 21वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला गया। इस मैच को लखनऊ ने जीत लिया। इस सीजन लखनऊ की ये तीसरी जीत है। लखनऊ ने गुजरात के सामने जीत के लिए 164 रनों का लक्ष्य रखा था। जिसके जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम 18.5 ओवर में 130 रनों पर ढेर हो गई और लखनऊ ने 33 रनों से इस मैच को जीत लिया। गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 31 रनों की पारी खेली। इसके अलावा राहुल तेवतिया ने 30 रन बनाए।

लखनऊ की शानदार गेंदबाजी लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से इस मैच में



कमाल की गेंदबाजी देखने को मिली है। खासकर जिस तरह से यश ठाकुर और ऋणाल पांड्या ने गुजरात के बल्लेबाजों को परेशान किया। यश ठाकुर ने 3.5 ओवर में 30 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। इसके अलावा ऋणाल पांड्या ने 4 ओवर में महज 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए। जिसके चलते लखनऊ ने गुजरात को महज 130 रनों पर ही रोका दिया।

लखनऊ ने बनाए थे 163 रन

इस मैच में टॉस जीतकर लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 163 रन बनाए थे। लखनऊ की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए मार्क्स स्टोइनिंस ने 43 गेंदों पर 58 रनों की पारी खेली थी। अपनी पारी के दौरान स्टोइनिंस ने 4 चौके और 2 छके लगाए थे। इसके अलावा कप्तान केएल राहुल ने 33 रन बनाए थे। वहीं आयुष बुदुनी ने 20 रनों का योगदान दिया था। बात अगर गुजरात टाइटंस की गेंदबाजी की करे तो। उमेश यादव ने 4 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट हासिल किए थे। तो वहीं दर्शन ने भी 2 विकेट चटकाए थे।

दिल्ली को नॉर्त्जे का 20वां ओवर ले डूबा, शेफर्ड ने बनाए थे 32 रन, तीन हार के बाद मुंबई की पहली जीत

नई दिल्ली। पांच मैचों में चौथी हार के साथ दिल्ली की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर लुढ़क गई है। वहीं, लगातार तीन मैच हारने के बाद पहली जीत दर्ज कर मुंबई की टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई इंडियंस ने इस सीजन की पहली जीत हासिल की है। आईपीएल 2024 के 20वें मैच में मुंबई ने दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 234 रन बनाए थे। एक वक्त मुंबई का स्कोर 17 ओवर में चार विकेट पर 167 रन था। इसके बाद डेथ ओवर में टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड की तुफानी बल्लेबाजी की बदौलत मुंबई इतने विशाल स्कोर तक पहुंच पाया।

आखिरी पांच ओवर में मुंबई ने 96 रन बनाए। रोमारियो शेफर्ड ने एनरिक नॉर्त्जे के 20वें ओवर में 32 रन बनाए थे जो दिल्ली के लिए हार का कारण बना। 235 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही दिल्ली की टीम 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 205 रन ही बना सकी। 19वें ओवर तक दिल्ली ने 201 रन बनाए थे, जबकि मुंबई ने 202 रन बनाए थे। शेफर्ड का 32 रन निर्णायक साबित हुआ।

पांच मैचों में चौथी हार के साथ दिल्ली की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर लुढ़क गई है। वहीं, लगातार तीन मैच हारने के बाद पहली जीत दर्ज कर मुंबई की टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है। दिल्ली का अगला मैच 12 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से इकाना में है। वहीं, मुंबई की टीम 11 अप्रैल को वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की शुरुआत शानदार रही थी। रोहित और ईशान ने पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को अक्षर ने तोड़ा। उन्होंने रोहित को बोल्ट किया। रोहित ने 27 गेंद में छह चौके और तीन छके की मदद से 49 रन की पारी खेली। सीजन का अपना पहला मैच खेल रहे सूर्यकुमार यादव खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। ईशान किशन 23 गेंद में चार चौके और दो छके की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान हार्दिक पांड्या 33 गेंद में 39 रन और तिलक वर्मा छह रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड ने चौके-छकों की झड़ी लगा दी। टिम डेविड 21 गेंद में दो चौके और चार छके की मदद से 45 रन और रोमारियो शेफर्ड 10 गेंद में तीन चौके विभाजित करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया खातों का उपयोग कर रहा है। कंपनी ने एक पोस्ट में अमेरिका शामिल है। माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन के हैकर्स एआई का उपयोग कर इन चुनावों को बाधित करने का प्रयास करेंगे। माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक चीनी हैकर्स मीस, वीडियो और ऑडियो के जरिए चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे। टेक दिग्गज के अनुसार, चीन मतदाताओं को

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

आउट हुए। इसके बाद पृथ्वी शॉ ने अभिषेक पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। शॉ ने आईपीएल करियर का वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

क्राफ्टन इंडिया के सीईओ इंडियन डिजिटल गेमिंग सोसाइटी के वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त

नई दिल्ली। इंडियन डिजिटल गेमिंग सोसाइटी (आईडीजीएस) ने बीजीएमआई डेवलपर क्राफ्टन इंडिया के सीईओ सीन ह्युनिल को अपना नया वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया है। आईडीजीएस ने कहा, बीपी के रूप में सोहन भारत में डिजिटल गेमिंग के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वह गेमिंग पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर समावेशिता, विविधता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाली पहलों को चलाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। सीन ह्युनिल सोहन ने कहा, यह भूमिका भारत में गेमिंग उद्योग के विकास में योगदान करने का एक जबरदस्त अवसर प्रस्तुत करती है। मैं इन्वेंशन, समावेशिता को बढ़ावा देने और भारत में गेमिंग इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग हिताधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूँ। वह उन नीतियों को क्वालिफ करने के लिए हिताधारकों के साथ मिलकर काम करेंगे जो गेमिंग उद्योग की निरंतर वृद्धि का समर्थन करती हैं और इसके सामाजिक प्रभाव को बढ़ाती हैं। आईडीजीएस के प्रेसिडेंट राजन नवानी ने कहा, स्ट्रॉंग बैकग्राउंड और नेतृत्व के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, सोहन गेमिंग उद्योग में एक अत्यधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। उद्योग जगत का उनका अनुभव, उनकी असाधारण नेतृत्व क्षमताओं के साथ, निस्संदेह समाज की निरंतर सफलता के पीछे एक प्रेरक शक्ति होगी। आईडीजीएस का प्राथमिक लक्ष्य गेमिंग इकोसिस्टम के हिताधारकों को एक साथ लाकर सहयोग, क्वालिफ और इन्वेंशन के लिए एक मंच प्रदान करना है।

ज्योतिष चमत्कार (8 अप्रैल 2024)

कल्याण					राजधानी नाईट				
सोम	8	9	0	1	सोम	3	4	5	6
	82	96	04	12		31	43	53	63
मंगल	9	0	1	2	मंगल	4	5	6	7
	98	06	14	24		45	57	65	71
बुध	0	1	2	3	बुध	5	6	7	8
	08	18	26	32		59	67	73	81
गुरु	1	2	3	4	गुरु	6	7	8	9
	10	28	34	42		69	75	85	93
शुक्र	2	3	4	5	शुक्र	7	8	9	0
	20	36	46	56		79	87	97	09
शनि	3	4	5	6					
	30	48	58	60					

अंकों का बादशाह	0	अंकों का बादशाह	1
सप्ताह का वरदान	9	सप्ताह का वरदान	2
सप्ताह में अचूक	1 4 5 6	सप्ताह में अचूक	3 5 6 7
स्पेशल	12 43 57 68	स्पेशल	34 58 69 70

सप्ताह में देखें										सप्ताह में देखें									
1	13	15	17	19	1	12	14	18	10	1	12	14	18	10					
2	21	23	25	29	2	24	26	28	20	2	24	26	28	20					
3	31	35	37	39	3	32	34	36	30	3	32	34	36	30					
4	41	43	45	47	4	42	46	48	40	4	42	46	48	40					
5	51	53	57	59	5	52	54	56	58	5	52	54	56	58					
6	63	65	67	69	6	62	64	68	60	6	62	64	68	60					
7	71	73	75	79	7	74	76	78	70	7	74	76	78	70					
8	81	85	87	89	8	82	84	86	80	8	82	84	86	80					
9	91	93	95	97	9	92	96	98	90	9	92	96	98	90					
0	01	03	07	09	0	02	04	06	08	0	02	04	06	08					

अंक आपके पत्ते हमारे									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड										
कल्याण					राजधानी					
39	27	39	08	28	96	68	25	85	79	17
59	60	27	33	66	40	76	13	34	56	51
XX	97	55	39	08	91	XX	18	31	83	55
96	64	97	41	49	36	48	14	91	77	09

2023 के रुके जोड़ भाव									
कल्याण	2023- 21-23-09								
राजधानी नाईट	2023 -32-35-50-62-66-								

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वे शुभ राशियों ज्योतिष एवं ग्रह गणना के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है। दुरुपयोग न करें। दुरुपयोग करने पर प्रकाशक को कोई जवाबदारी नहीं होगी।

रियलमी 12एक्स 5जी : 2024 में फ्लिपकार्ट और रियलमी

डॉट कॉम पर सबसे तेजी से बिकने वाला 5जी किलर

नई दिल्ली। 5जी स्मार्टफोन का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। कई स्मार्टफोन कंपनियों उपभोक्ताओं को किफायती कीमतों में स्मार्टफोन उपलब्ध करा रही हैं। इस बाजार में रियलमी 12एक्स 5जी एक शीर्ष दावेदार के रूप में उभरा है जो अपनी किफायती कीमत पर बाजार में अपनी अलग जगह बनाने के साथ स्मार्टफोन बाजार को नया आकार दे रहा है।

2024 में फ्लिपकार्ट और रियलमी डॉट कॉम पर शुरुआती बिक्री के दौरान 'सबसे तेजी से बिकने वाले 5जी किलर' के रूप में पहचान हासिल करते हुए, रियलमी 12एक्स 5जी ने उद्योग में अग्रणी स्मार्टफोन के रूप में अपनी जगह बना ली है। रियलमी 12एक्स 5जी के साथ, उपभोक्ता किफायती कीमत पर 5जी कनेक्टिविटी का पूरा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। सेममेंट में भारत के पहले 45 वॉट सुपरचार्ज चार्जर और एक शक्तिशाली मीडियाटेक डाइमेंशन 6100 प्लस 5जी चिपसेट जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस, रियलमी 12एक्स 5जी बेहतर परफॉर्मंस देता है। रियलमी 12एक्स 5जी को बेहतर तरीके से डिजाइन किया गया है। यह ट्वाइलाइट पर्पल और बुडलैंड ग्रीन जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध है, जो उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है। यह 4जीबी प्लस 128जीबी से लेकर 8जीबी प्लस 128 जीबी तक के स्टोरेज वैरिएंट के साथ आता है, जो यूजर्स की जरूरत को पूरा करता है। अपने प्रभावशाली विशिष्टताओं के अलावा, रियलमी 12एक्स 5जी की कीमत प्रतिस्पर्धी



है, जो इसे उपभोक्ताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सुलभ बनाती है। इसके फीचर्स ने बाजार में डिवाइस की लोकप्रियता और सफलता में योगदान दिया है।

जैसे-जैसे 5जी तकनीक का विकास और विस्तार हो रहा है, रियलमी 12एक्स 5जी इसका नेतृत्व करने के लिए अच्छे तरह से तैयार है, जो उपभोक्ताओं को बिना किसी समझौते के कनेक्टिविटी के भविष्य को अपनाने के लिए सशक्त बनाता है। अपने बेहतर प्रदर्शन और व्यापक उपलब्धता के साथ रियलमी 12एक्स 5जी पहले से ही एंटी-लेवल स्मार्टफोन बाजार को फिर से परिभाषित कर रहा है और दुनिया भर में उपभोक्ताओं के लिए कनेक्टिविटी के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। 5जी कनेक्टिविटी वाले एंटी-लेवल स्मार्टफोन में उच्च स्मार्टफोन

8 संकेत बताते हैं कि आपके शरीर में हो गई है पानी की कमी, जानें क्या करें

अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं. पानी की कमी से यूरिन इन्फेक्शन से लेकर कब्ज, इनडिजेशन, चेहरे पर पिंपल्स तक शुरू हो जाते हैं. इसकी वजह से किडनी पर भी इफेक्ट पड़ता है. डॉक्टरों के मुताबिक, अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं. पानी की कमी से यूरिन इन्फेक्शन से लेकर कब्ज, इनडिजेशन, चेहरे पर पिंपल्स तक शुरू हो जाते हैं.

शरीर को सही ढंग से चलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की जरूरत होती है. पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है. जिससे कई तरह की प्रॉब्लम्स हो सकती हैं. इसलिए समय-समय पर सही मात्रा में पानी पीते रहना चाहिए. शरीर में पानी की कमी के संकेत पहले ही मिलने लगते हैं.

अगर इन लक्षणों को समझ लिया जाए तो समय रहते



डिहाइड्रेशन की समस्या को खत्म कर सकते हैं. वरना डॉक्टर के पास जाने तक की नीबत आ सकती है. जानिए शरीर में पानी की कमी के क्या संकेत दिखते हैं...

डॉक्टरों के मुताबिक, अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं. पानी की कमी से यूरिन

इन्फेक्शन से लेकर कब्ज, इनडिजेशन, चेहरे पर पिंपल्स तक शुरू हो जाते हैं. इसकी वजह से किडनी पर भी इफेक्ट पड़ता है. जिससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है.

यूरिन का रंग गाढ़ा पीला हो जाता है. पानी की कमी से शरीर में टॉक्सिन बढ़ जाती हैं, जिससे

चेहरे पर पिंपल्स निकलने लगते हैं. ड्राई और बेजान स्किन, झुर्रियां भी पानी की कमी के ही संकेत हैं. पानी की कमी जब शरीर में होती है, तब आंखों के नीचे काले घेरे आने लगते हैं.

पानी की कमी से सिर में लगातार दर्द होता रहता है. मांशपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न होती है. पानी की कमी से तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है. शरीर में पानी कम होने से प्राइवेट पार्ट में खुजली या जलन होने लगती है.

अपने साथ पानी की बोतल रखें. इससे बार-बार पानी पीने की हैबिट बनेगी और शरीर में पानी की कमी पूरी होगी. हरी फल और सब्जियां ज्यादा से ज्यादा खाएं. सेब, अंगूर, खरबूजा, तरबूज, खीरा, टमाटर, चुकंदर खाने में शामिल करें.

रोजाना गरियल पानी पिएं. खिचड़ी, दलिया दालें और ओट्स खाने से शरीर में पानी की कमी पूरी हो सकती है.

पटना शुक्ला को मिली प्रतिक्रिया से अनुष्का कौशिक अभिभूत

रबीना टंडन द्वारा निर्देशित पटना शुक्ला में रिकी कुमारी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अनुष्का कौशिक ने कहा कि फिल्म के लिए उन्हें जो प्रतिक्रिया मिल रही है, उससे वह अपनी आगामी परियोजनाओं में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की भावना से उत्साहित हैं। अनुष्का, जो क्रैश कोर्स, घर वापसी और लस्ट स्टोरीज जैसी परियोजनाओं में अपने काम के लिए भी जानी जाती हैं, ने कहा: पटना शुक्ला कई कारणों से एक बेहद खास फिल्म रही है, न केवल इसने उत्साह बढ़ाया है मुझे अपनी बहुमुखी प्रतिभा का एक नया पहलू पेश करना है, लेकिन मुझे व्यवसाय के कुछ सबसे अद्भुत लोगों के साथ काम करने का अवसर भी मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, हालांकि, जो चीज इसे सबसे खास बनाती है वह है इसकी कहानी, विषय की गंभीरता ने मुझे प्रभावित किया और मुझे खुशी है कि इसने दर्शकों को भी प्रभावित किया है। फिल्म और विशेष रूप से मेरे प्रदर्शन को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया अवास्तविक है। मैं अपने आगामी प्रदर्शन में और भी बेहतर प्रदर्शन करने के ज़रूरे से उत्साहित हूँ और मैं उन सभी को धन्यवाद देना पसंद करूँगी जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया है।



बड़े मियां छोटे मियां से खूंखार विलेन पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक हुआ रिवील, अक्षय-टाइगर पर पड़ेगा भारी



है. बता दें कि फिल्म में विलेन के किरदार को तेलुगु स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन प्ले कर रहे हैं. फिल्म के नए पोस्टर को अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें पृथ्वीराज का खलनायक अवतार देखकर हर कोई जर्ज जाए, वहीं पोस्टर के साथ पृथ्वीराज का वॉइस ओवर भी सुनाई देता है, जहां वह कहते हैं प्रलयम सर्वनाशम महाप्रलय... कहने का मतलब है कि प्रलय आने वाला है... इन पोस्टर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा कि ये शैतान है.

मानुषी छिल्लर ने ब्लैक आउटफिट में ढाया कहर, तस्वीरें देखकर फैस हुए मदहोश

मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी हॉट और रौमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में मानुषी ने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं. उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और लाइट मेकअप किया है. तस्वीरों में उनका पोजिंग स्टाइल भी काफी काविलाना है. मानुषी की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है. इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैस मदहोश हो गए हैं. साथ ही उनके लुक्स को तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने लुक्स से फैस का अटेंशन अपनी ओर खींचना बखूबी जानती हैं. वहीं उनकी काविलाना अदाएं देखकर फैस भी अक्सर मदहोश हो जाते हैं. मानुषी छिल्लर जब भी अपनी फोटोज और वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं।

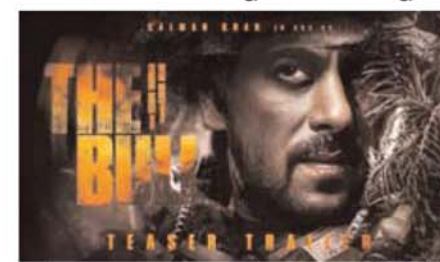
हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर को ये फोटोज पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक हजारों में लाइक्स आ गए हैं। फैस उनकी तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी हॉटनेस को तारीफ कर रहे हैं.



एयरहोस्टेस बन करीना-कृति-तब्बू ने किया वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कब्जा, दो दिन में कू ने की धांसू कमाई

करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू स्टार फिल्म कू दुनिया भर में ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही हैं. फिल्म 29 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. कू ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बल्कि वर्ल्डवाइड भी धुआंधार कारोबार कर रही है. महज दो दिनों में फिल्म ने 40 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है.

कू की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है. जिसके मुताबिक कू ने पहले दिन दुनिया भर में 20.07 करोड़ रुपए कमाए थे तो वहीं दूसरे दिन 21.06 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है. यानी वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के दो दिनों का कुल कलेक्शन 41.13 करोड़ रुपए हो



गया है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी कू को आडियंस का भरपूर प्यार मिल रहा है. यही वजह है कि फिल्म ने दो दिनों में 18.85 करोड़ रुपए की कमाई की है. राजेश कृष्णन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स, एकेएफसी और कम्युनिकेशन नेटवर्क प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले अनिल कपूर, शोभा कपूर, एकता कपूर और रिया कपूर ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में करीना कपूर, कृति

सेनन और तब्बू लीड रोल में हैं तो वहीं कपिल शर्मा, दिलजीत दोसांझ और खेसारी लाल यादव का भी अहम किरदार है. करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू ने कू में एयरहोस्टेस का किरदार निभाया है. ऐसी एयरहोस्टेसेस जो अपनी मिडल क्लास लाइफ से परेशान हैं और जल्दी से जल्दी अमीर होने के ख्वाब देख रही हैं. लेकिन उनकी ये उम्मीद पूरी होती दिखाई नहीं दे रही और तभी उनके हाथ लगते हैं सोने के बिक्रिट, जो उनकी जिंदगी ही बदल देते हैं.

आपकी भी जींस हो गई है पुरानी? तो इस उपाय से करें पुरानी जींस को एकदम नए जैसा



पुरानी जींस को कई बार लोग या तो फेंक देते हैं या किसी को दे देते हैं. लेकिन यह बहुत कम लोग जानते हैं कि इसे आप वापस से नए जैसी बना सकते हैं.

घर में रखी हर एक चीज का हम कहीं ना कहीं किसी भी काम में इस्तेमाल कर ही लेते हैं. चाहे वह चीज कितनी भी पुरानी क्यों ना हो, हम उसे एक नया मोड़ दे देते हैं. साथ

हि हमारे पहने हुए कपड़े एक समय के बाद खराब होने लगते हैं या उनका रंग उड़ जाता है. खासकर जींस बेहद जल्दी पुरानी होने लगती है. ऐसे में कुछ लोग इसे फेंक देते हैं या किसी को दे देते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं पुरानी जींस को भी नया किया जा सकता है? अगर नहीं तो हम आपको कुछ आसान टिप्स के बारे में बताएंगे जिन्हें फॉलो

कर आप पुरानी जींस को नई जींस बना सकते हैं.

ऐसे करें नया

पुरानी जींस को नया बनाने के लिए सबसे पहले आपको जींस की कलर पर ध्यान देना होगा अगर आपके डार्क ब्लैक जींस का कलर नया करना है तो सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी डालें इसके बाद

इसमें ड्राई कलर और आधा चम्मच नमक मिला लें. इसे अच्छी तरह से घोल लें.

फिर पुरानी जींस को इस घोल में अच्छी तरह मिला ले जिससे कलर हर जगह लग जाए. जींस को घोल के अंदर कम से कम 30 मिनट तक रखना होगा. 30 मिनट बाद जींस को निकाल कर निचोड़ लें. फिर एक बार इसे साफ पानी से धोकर सूखने के लिए डाल दें. ध्यान रहे जब भी आप जींस को सुखाएँ, तो धूप वाली जगह पर इसे ना सुखाएँ. हमेशा छाव में ही सुखाएँ. ध्यान रहें जींस को कलर करते वक्त सावधानी से इन टिप्स को फॉलो करें.

पैसों की होगी बचत

इन उपायों को कर आप आसानी से अपनी पुरानी जींस को वापस से इस्तेमाल कर सकते हैं. साथ ही यह आपके पैसों को बचाने में भी काफी मदद करेगी. आप नई जींस लाने के बदले उसी पैसों से कोई दूसरे कपड़े खरीद सकते हैं. इससे आपकी बचत होने के साथ कपड़ों का कलेक्शन भी बढ़ेगा.

स्टाइलिश आउटफिट पहन पूनम पांडे ने बिखेरा जलवा, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने लूटी महफिल

इन दिनों सोशल मीडिया पर हर तरफ पूनम पांडे की ही चर्चा है. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बेहद खूबसूरत और हॉट लग रही हैं. इन तस्वीरों में पूनम पांडे ने हरे रंग का स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जो उनके ऊपर काफी जंच रहा है. उन्होंने अपने बाल खुले रखे हैं और लाइट मेकअप किया हुआ है. तस्वीरों में पूनम अलग-अलग पोज दे रही हैं और उनका ये अंदाज उनके फैस को काफी पसंद आ रहा है. इस तस्वीर में पूनम पांडे किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। पूनम पांडे की इस अदा पर फैस फिदा हो गए। अपनी बोलड अदाओं से लोगों को अपनी ओर अट्रैक्ट करने वाली एक्ट्रेस पूनम पांडे इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने हुन्र के जलवे बिखेरे में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। इससे पहले भी एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरों से बोलडनेस की सारी हदे पार कर रखी हैं। हालांकि इस बार भी पूनम पांडे का ये लुक हद से ज्यादा स्टाइलिश नजर आ रहा है। इन तस्वीरों पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा, आप किसी परी से कम नहीं लग रही हैं, तो वहीं दूसरे फैन ने कमेंट किया, आपका ये स्टाइलिश लुक कमाल का है.



जानिए, कैसे बर्फ के टुकड़ों से चुटकियों में साफ हो जाता है गंदे और पीले टॉयलेट पॉट

क्या आपको पता है कि बर्फ के टुकड़ों से गंदे और पीले टॉयलेट पॉट को चुटकियों में साफ किया जा सकता है आइए जानते हैं कैसे

अक्सर, घर की सफाई में सबसे ज्यादा मुश्किल होती है टॉयलेट पॉट की सफाई. पानी के कठोर धब्बे, पीलापन और गंदगी न सिर्फ दिखने में बुरे लगते हैं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके फ्रिज में रखे बर्फ के टुकड़े इस समस्या का समाधान कर सकते हैं? बर्फ के टुकड़ों का उपयोग: सबसे पहले, कुछ बर्फ के टुकड़ों को टॉयलेट पॉट में डालें. बर्फ का उंडा तापमान पानी के कठोर



धब्बों को तोड़ने में मदद करता है. मिनट तक इंतजार करें. इस दौरान बर्फ पिघलकर पॉट के किनारों पर

जमे गंदगी और कठोर धब्बों को हटाने में मदद करेगी.

ब्रशिंग: 30 मिनट बाद, एक टॉयलेट ब्रश का उपयोग करके हल्के से रगड़ें. आप देखेंगे कि धब्बे और गंदगी आसानी से साफ हो जाएगी.

फ्लश करें: अंत में, पॉट को अच्छे से फ्लश करें. इससे सारी गंदगी और धब्बे वाह जाएंगे, और आपका टॉयलेट पॉट नए जैसा चमकने लगेगा.

बर्फ के टुकड़े जब पिघलते हैं, तो इससे उत्पन्न होने वाला पानी धीरे-धीरे गंदगी को भिगोता है और उसे हटाने में मदद करता है. यह प्रक्रिया बिना किसी रासायनिक सफाई के गंदगी को साफ करने में सहायक होती है.

ऐसा मत सोचें कि मैं रातों रात सेंसेशन बनी हूँ: मेधा शंकर

12वीं फेल की रिलीजिंग के बाद रातों रात सेंसेशन बनने को लेकर एक्ट्रेस मेधा शंकर ने कहा कि लोग उनकी जर्नी के बारे में नहीं जानते हैं। मेधा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2019 में ब्रिटिश मिनी सीरीज बीचम हाउस से की थी। इसके बाद वह फिल्म शादीस्थान और सीरीज दिल बेकरार में नजर आईं। मेधा ने 12वीं फेल की सफलता के साथ स्टार बनने की शुरुआत को याद करते हुए कहा, मैंने 2018 में एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और 2020 मेरे और पूरी दुनिया के लिए बहुत मुश्किल साल था, मैं उस वक्त काफी परेशान थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं रातोंरात सेंसेशन बनी हूँ, बात सिर्फ इतनी है कि लोग मेरी जर्नी के बारे में नहीं जानते... अगर रातोंरात एक शब्द है तो मेरी रातें पांच साल लंबी थीं। यह पूछे जाने पर कि इंडस्ट्री में अच्छा एक्टर बनने के लिए क्या करना पड़ता है एक्ट्रेस ने कहा, अपनी बातें सही रखें, ज्यादा न सोचें। मैं एक एक्टर के तौर पर अपनी कला को निखारने और अच्छा काम करने, साथ ही अच्छी स्क्रिप्ट के लिए हाँ कहने पर फोकस करने की कोशिश करती हूँ।



